छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 15 ■ अंक - 297 ■ अम्बिकापुर, शनिवार 23 नवम्बर 2024 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

फ्रंटलाइन खबर

कुत्तों को छेड़ने से मना करने पर मारपीट

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के खरसिया रोड में रिलायंस पेट्रोल पंप के पास तपस्या निवास के कर्मचारी के द्वारा कुत्तों को छेड़ने से मना करने पर युवकों के द्वारा गालीगलौज करते हुए मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। ग्राम कुम्हरता थाना दरिमा निवासी सुभाष सिंह ने इसकी रिपोर्ट कोतवाली थाना में दर्ज कराई है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री के निवास में कार्यरत कर्मचारी ने पुलिस को बताया है कि 21 नवम्बर को करीब 1.30 बजे वह अपने साथी जगदीश साहू के साथ तपस्या निवास में कुत्तों को बाउंड्री के अंदर छोड़कर देख-रेख कर रहा था। इसी दौरान अनस, आसिफ, आशीष सहित अन्य गेट के बाहर से डण्डा लेकर कुत्तों को छेड़ने लगे। इससे उत्तेजित होकर कुत्ते आपस में लड़ने लगे। उन्होंने जब कुत्तों को छेड़ने से मना किया तो युवक गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर हाथ-मुक्का व पत्थर से मारपीट करने लगे, जिसमें दोनों कर्मचारियों को चोटें आई हैं। रिपोर्ट पर पुलिस ने तीन नामजद सहित अन्य के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

मुख्यमंत्री बिलासपुर में 143 करोड़ की लागत के विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण

राउत नाचा महोत्सव में भी होंगे शामिल

छ.ग.फ्रंटलाइन रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 23 नवंबर को बिलासपुर को 143 करोड़ 68 लाख रूपये की लागत के अनेक विकास कार्यों की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री बिलासपुर में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान सकरी रोड, मिनोचा रोड, स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, मिनी स्टेडियम, सिटी कोतवाली के पास निर्मित मल्टीलेवल पार्किंग और अरपा नदी तट पर निर्मित राम सेतु मार्ग का लोकार्पण करेंगे। श्री साय इस मौके पर लाल बहादुर शास्त्री स्कूल में राउत नाचा महोत्सव में शामिल होंगे।

रामसेतु मार्ग-अरपा उत्थान और तट संवर्धन प्रोजेक्ट अंतर्गत अरपा नदी के दांयी तरफ की सड़क का नाम रामसेतु मार्ग रखा गया है। रामसेतु मार्ग की लागत 49 करोड़ 98 लाख रूपये है, जिसमें फूटपाथ, डिवाइडर, स्ट्रीट लाइट, रिटेनिंग वॉल, पीचिंग और सौंदर्यीकरण कार्य शामिल है।

स्पोर्ट्स कांप्लेक्स-14 करोड़ 60 लाख रूपये की लागत से संजय तरण पुष्कर परिसर में स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का निर्माण किया गया है, इस तीन मंजिला इस स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के बेसमेंट में पार्किंग, ग्राउंड फ्लोर में रिसेप्शन और रेस्टोरेंट संचालित होगा। प्रथम तल में बैडमिंटन, स्क्वैश कोर्ट, टेबल टेनिस, स्नूकर, बिलियर्ड्स, द्वितीय तल में मल्टीपरपज हॉल, योगा, मैट गेम की सुविधा है। तीसरे तल में मनोरंजन की अनेक सुविधाएं है।

कोतवाली मल्टीलेवल पार्किंग

29 करोड़ 76 लाख की लागत से साढ़े तीन एकड़ में कोतवाली थाना परिसर में तीन मंजिला मल्टीलेवल कार पार्किंग बनाया गया है। ग्राउंड फ्लोर के अलावा सभी फ्लोर में पार्किंग की सुविधा दी गई है जिसमें 192 कार और 325 बाइक एक साथ पार्क की जा सकेगी। ग्राउंड फ्लोर को कमर्शियल कांप्लेक्स के तौर पर विकसित किया गया है जिसमें 46 दुकानों का निर्माण किया गया है।

उस्लापुर-सकरी सड़क

उस्लापुर रेल्वे ओव्हरब्रिज से लेकर सकरी बाईपास चौक तक 15 करोड़ 87 लाख की लागत से नगर निगम द्वारा सवा चार किमी सड़क का उन्नयन और चौड़ीकरण किया गया है। सड़क चौड़ीकरण और उन्नयन होने से राहगीरों को काफी राहत मिली है और ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिली है। उन्नयन और चौड़ीकरण के तहत मार्ग की चौड़ाई बढ़ाई गई है, डिवाइडर बनाया गया है, स्ट्रीट लाइट और दोनों तरफ नाली निर्माण भी किया गया है।

मिनोचा कॉलोनी सहित अन्य रोड

11 करोड़ 68 लाख की लागत से शहर के विभिन्न सड़कों का डामरीकरण, उन्नयन, साइनेज, मिनोचा कॉलोनी रोड और रोटरी शामिल है, जिसमें प्रमुख रूप से महावीर नगर चौक से उस्लापुर ओव्हर ब्रिज तक 800 मीटर सड़क, डिवाइडर, स्ट्रीट लाइट और रोटरी शामिल है। शहर के विभिन्न सड़कों का डामरीकरण, साइनेज, रोड मार्किंग के कार्य शामिल हैं।

मिनी स्टेडियम

शहर के पुराने और प्रतिष्ठित शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक शाला मल्टीपरपज़ स्कूल के मैदान को संवार कर बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा 21 करोड़ 79 लाख रूपये की लागत से मिनी स्टेडियम का निर्माण किया गया है, जिसमें 14115 वर्ग मीटर का सर्व सुविधायुक्त क्रिकेट मैदान है जिसकी दर्शक क्षमता 850 है। यहां डे-नाईट मैच खेलने की सुविधा है। यहां इनडोर गेम्स जैसे स्नूकर, बिलियर्ड्स, टेबल टेनिस, स्क्वैश खेलने की सुविधा के साथ-साथ आधुनिक जिम बनाया गया है। इसके अलावा ट्रेनिंग हॉल का निर्माण किया गया है। इसी भवन में अलग से वीआईपी गैलरी, एनाउंसमेंट बॉक्स और पेंट्री रूम के साथ ही यहां बाहर से आने वाले खिलाड़ियों के लिए एक हॉस्टल बनाया गया है। यहां दो लॉन टेनिस कोर्ट बनाया गया है।

सुकमा में 10 नक्सलियों को ढेर कर लौटे डीआरजी जवान, नाच-गाकर मनाया जश्न

छ.ग.फ्रंटलाइन रायपुर। सुकमा जिले में रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में जवानों ने 10 नक्सलियों को मार गिराया। हालांकि, इस मुठभेड़ में किसी भी जवान को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। बताया गया कि घटनास्थल से एके-47, एसएलआर और कई अन्य हथियार बरामद किए गए।

नक्सलवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति-सीएम

शुक्रवार को जवानों और सुरक्षा कर्मियों के बीच हुई मुठभेड़ को लेकर छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव साय ने कहा कि सरकार नक्सलवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। सीएम साय ने कहा कि बस्तर में विकास, शांति और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बस्तर में शांति, विकास और प्रगति का युग लौट आया है। सुरक्षा बलों को उनके साहस और समर्पण के लिए बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ से नक्सलियों का खात्मा निश्चित है। आगे उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ से नक्सलियों को खत्म करने के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रही है।

नक्सलियों को मार गिराने में सफल हुए जवान

इस मुठभेड़ में नक्सलियों को मार गिराने के बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। कई घंटो के तलाशी अभियान के बाद अब जवान वापस आ रहे हैं। आज हुई इस मुठभेड़ में जवानों ने 10 नक्सलियों को मार गिराया। नक्सलियों को मार गिराने में सफल होने के बाद जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के जवानों ने जश्न मनाया।

भेज्जी थाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़

शुक्रवार सुबह सुकमा जिले के कोंटा और किस्टाराम एरिया कमेटी के नक्सली सदस्यों की सूचना पर डीआरजी और सीआरपीएफ के जवान रवाना हुए थे। इसके बाद जिले के भेज्जी थाना क्षेत्र के कोराजुगुड़ा, दंतेपुरम, नगराम और भंडारपदर गांवों के जंगल की पहाड़ियों में डीआरजी टीम और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में जवानों को बड़ी सफलता हाथ लगी।

चालक को नींद आई और क्लिंकर लोड ट्रेलर पलटी

नियमों के विपरीत ट्रेलरों में कोल परिवहन, जिम्मेदार तमाशा देख रहे

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-130 के अंबिकापुर-बिलासपुर के मध्य में रजपुरी के पास होटल सांझा चूल्हा के पास तेज रफ्तार ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलट गई। बताया जा रहा है कि ट्रेलर क्रमांक सीजी 12 बीपी 9064 में बलौदा बाजार से क्लिंकर लोड करके औरंगाबाद जाने चालक निकला था। ड्राइवर को नींद लगने के कारण दिन में 12 बजे ट्रेलर वाहन रजपुरी के पास रोड में पलट गई।

बता दें कि लखनपुर, अंबिकापुर-बिलासपुर मार्ग में इन दोनों हजारों की संख्या में बेलगाम ट्रेलर ओवरलोड दौड़ रहे हैं। अदानी एवं अमेरा खदान से कोयला लोड कर प्रतिदिन हजारों की संख्या में ट्रेलर निकलते हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। राजस्थान, नागालैंड, उड़ीसा स्टेट की गाड़ी अमेरा व अडानी खदान एवं बलौदा बाजार से क्लिंकर लेकर औरंगाबाद प्रतिदिन हजारों की संख्या में ट्रेलर वाहनें दौड़ रही हैं। परिवहन का नियम है कि दूसरे प्रदेश के गाड़ी अन्य प्रदेश में जाकर माल भरकर वहीं खाली नहीं कर सकता है, इसके बावजूद पुलिस में ट्रांसपोर्टर द्वारा कम भाड़ा में ट्रांसपोर्टिंग कराने के चक्कर में बाहर से ट्रेलर काफी संख्या में मंगाए गए हैं, जो 2 पॉइंट के ट्रेलर भी शामिल हैं। पुलिस एवं आरटीओ विभाग की सेटिंग से इन वाहनों में ओवरलोड लोडिंग धड़ल्ले से चल रहा है। आरटीओ विभाग द्वारा आंख बंद करके वसूली में मस्त हैं और इन वाहनों को परिवहन करने दिया जा रहा है। अमेरा खदान के पास सिंगीटाना में एक माह के अंदर 5 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बाद भी यहां सैकड़ों की संख्या में रोड के दोनों किनारे गाड़ियां खड़ी रहती हैं।

हिंसक वन्यप्राणियों द्वारा मकानों की क्षति पहुंचाने पर मिलने वाली क्षतिपूर्ति राशि में हुई वृद्धि

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा वनवृत्त के मुख्य वन संरक्षक ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा हिंसक वन्यप्राणियों से सामान्य क्षेत्रों में पक्का या कच्चा मकान दोनों तरह के मकानों के क्षति होने पर क्षतिपूर्ति राशि में वृद्धि की गई है। पहले पक्के या कच्चे मकानों की 100 प्रतिशत क्षति होने पर प्रति मकान 95 हजार 100 रुपये का भुगतान किया जाता था, लेकिन अब 100 प्रतिशत क्षति होने पर प्रति मकान एक लाख 20 हजार रुपये का भुगतान किया जाएगा। इसमें लगभग 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी प्रकार पहाड़ी क्षेत्रों के लिए पक्का या कच्चा मकान दोनों तरह के मकान पूर्ण क्षतिग्रस्त होने पर प्रति मकान एक लाख 19 सौ रुपये दिए जाते थे, अब 100 प्रतिशत क्षति होने पर प्रति मकान एक लाख 30 हजार रुपये क्षतिपूर्ति निर्धारित किया गया है। इसमें लगभग 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा इस प्रकार क्षतिपूर्ति की राशि में वृद्धि होने पर ग्रामीण लाभान्वित होंगे। हाथी मानव द्वन्द में आवश्यक रूप से कमी होना स्वाभाविक है।

कीटनाशक का सेवन की किशोरी की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कीटनाशक का सेवन की 17 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई। पुलिस ने बताया सूरजपुर जिला के भैयाथान थाना क्षेत्र के ग्राम सिरसी की प्रीति राजवाड़े पिता नरेश राजवाड़े बीते 10 नवम्बर को अज्ञात कारणों से कीटनाशक का सेवन कर ली थी। सूरजपुर से रेफर करने पर स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराए थे, यहां इलाज के दौरान 11 नवम्बर को दोपहर 12.15 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है।

हाथी प्रभावित मुआवजा के लिए एक वर्ष से वन विभाग चक्कर काट रहे

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। सरगुजा जिले के लखनपुर वन परिक्षेत्र के सुदूर वनांचल हाथी प्रभावित ग्राम पटकुरा अंतर्गत आदिवासी जनजाति के हाथी प्रभावित ग्रामीण मुआवजा पाने पिछले एक वर्ष से वन विभाग कार्यालय का चक्कर लगाने मजबूर हैं। वन विभाग के अधिकारियों के द्वारा इन्हें सिर्फ आश्वासन दिया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक हाथी प्रभावित क्षेत्र ग्राम पटकुरा निवासी सोन साय मझवार के घर को जुलाई 2023 में हाथियों ने तोड़ दिया था। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मुआवजा प्रकरण तैयार किया। एक वर्ष बीत जाने के बाद भी ग्रामीणों को मुआवजा नहीं मिल सका। जब ग्रामीण लखनपुर वन विभाग के कार्यालय पहुंचे और मुआवजा को लेकर वन परिक्षेत्राधिकारी मेरी लिली लकड़ा को आवेदन दिया, तो उन्होंने जल्द ही मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया था। अब ग्रामीण कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं, अधिकारी फोन भी नहीं उठा रहे हैं और ना ही कार्यालय में उनसे मुलाकात हो पा रही है। आखिर कब तक आदिवासी ग्रामीण को मुआवजा पाने कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ेगा यह देखने वाली बात होगी। बता दें कि लखनपुर वन परिक्षेत्राधिकारी मेरी लिली लकड़ा आए दिन कार्यालय में नदारत रहती है। लखनपुर में निवास करने के बजाए वे अंबिकापुर में निवास करती हैं। वन विभाग कार्यालय में मुलाकात नहीं होने पर कोई इनसे फोन पर संपर्क साधना चाहे तो इनके द्वारा फोन भी रिसीव नहीं किया जाता है।

ना कार्यालय में, ना फोन पर उपलब्ध

हाथी प्रभावित ग्रामीणों को मुआवजा के लिए चक्कर काटने की बन रही स्थिति के परिप्रेक्ष्य में लखनपुर वन परिक्षेत्राधिकारी मेरी लिली लकड़ा से संपर्क करने की कोशिश की गई तो वे कार्यालय में नहीं मिलीं। फोन भी रिसीव नहीं किया गया। इसलिए उनका पक्ष नहीं लिया जा सका।

डिजिटल एरेस्ट की सूचना देकर सेवानिवृत डिप्टी रेंजर से ऐंठे 50 हजार

सावधान रहें, कोई भी हो सकता है ठगी का शिकार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा पुलिस के द्वारा जन-जागरूकता के लिए किए जा रहे तमाम प्रयासों के बाद भी शिक्षित वर्ग के लोग ठगी का शिकार हो रहे हैं। ऐसे ही डिजिटल एरेस्ट के एक मामले में शहर के रामानुजगंज रोड निवासी सेवानिवृत डिप्टी रेंजर 50 हजार रुपये की ठगी का शिकार हो गए। कथित क्राइम ब्रांच के पुलिस कर्मी ने इन्हें फोन करके लड़के के किसी केस में फंसने की जानकारी दी थी। लड़का सकुशल घर वापस आया तो उन्हें धोखाधड़ी का पता चला। घटना की जानकारी कोतवाली थाना में दी गई है, जिस पर रिपोर्ट दर्ज करके पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक रामानुजगंज रोड में संजय पार्क के पास रहने वाले वन विभाग से सेवानिवृत डिप्टी रेंजर कृपाशंकर गुप्ता के मोबाइल फोन में 20 नवम्बर को दोपहर करीब 12 बजे व्हाट्सअप वाइस कॉल आया। फोन रिसीव करने पर कॉल करने वाले व्यक्ति ने अपना परिचय क्राइम ब्रांच के पुलिस कर्मी के रूप में दिया और कहा कि आपके लड़का एक केस में पकड़ाया है। यदि अपने लड़के को छुड़ाना चाहते हैं तो बताए गए खाता क्रमांक में 50 हजार रुपये तत्काल जमा करना होगा। डिप्टी रेंजर ने सोचा कि उनका लड़का कहीं किसी केस में फंसा होगा और वे ठग के द्वारा दिए गए बैंक ऑफ महाराष्ट्र के खाता में 50 हजार रुपये च्वाइस सेंटर में जाकर जमा कर दिए। लड़के के घर आने पर पता चला कि उसे किसी ने एरेस्ट नहीं किया है। डिजिटल एरेस्ट के नाम पर ठगी का एहसास होने पर उन्होंने घटना की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी है, जिस पर पुलिस केस दर्ज करके जांच में जुट गई है।

ऑल इंडिया कोटे से डॉ. नेहा परमार ने पीजी एमडी बॉयोकेमेस्ट्री में लिया प्रवेश

मेडिकल कॉलेज में पीजी करने वाले छात्र-छात्राओं का प्रवेश शुरू

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजमाता श्रीमति देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अंबिकापुर में पीजी करनेवाले छात्र-छात्राओं का इस सत्र के लिए प्रवेश शुरू हो गया है। मेडिकल कॉलेज के प्रभारी डीन डॉ. आरसी आर्या ने बताया कि शुक्रवार को अंबिकापुर निवासी डॉ. नेहा परमार ने ऑल इंडिया कोटे से पीजी एमडी बॉयोकेमेस्ट्री में प्रवेश लिया। ऑल इंडिया कोटे से प्रथम चरण में प्रवेश की प्रक्रिया 21 नवम्बर से 27 नवम्बर तक और स्टेट कोटे से पीजी में दाखिला की प्रक्रिया 21 से 28 नवम्बर तक चलेगी।

कार्ययोजना बनाकर की जा रही है उद्यानों की साफ-सफाई

भिलाईनगर, छ.ग. फ्रंटलाइन। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत स्थित उद्यानों का कार्ययोजना बनाकर की जा रही है साफ-सफाई। नगर निगम भिलाई क्षेत्र में लगभग 150 उद्यान है, जिसका संधारण एवं रखरखाव उद्यान विभाग के श्रमिक लगाकर कराया जाता है। सभी उद्यानों में फलदार, फूलदार, छायादार पौधे, फूलो की क्यारी, खेल सामग्री एवं घूमने के लिए पाथवे भी बनाया गया है। जहां प्रतिदिन आस-पास के वरिष्ठ नागरिक टहलने एवं बच्चे खेलने आते रहते है। उनकी सुविधा को देखते हुए उद्यानों की साफ-सफाई कराई जा रही है। नगर निगम भिलाई के उद्यान अधिकारी तिलेश्वर कुमार साहू प्रतिदिन उद्यानों की मॉनिटरिंग करते है। जिन उद्यानों के घॉस, किनारे के पेड़ बड़े हो जाते है डाली इधर-उधर फैल जाते है उसे श्रमिकों की टीम लगाकर कटाई-छटाई कराया जाता है। जिससे आने वाले नागरिको एवं बच्चो को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो। निगम के पॉचो जोन क्षेत्र में उद्यान बनाया गया है, जहां पर आवश्यकतानुसार श्रमिक लगाकर साफ-सफाई कराया जा रहा है। साथ ही पौधो एवं क्यारी में पानी की सिंचाई, खाद इत्यादि डालकर पौधो को हरा-भरा रखा जा रहा है। रोड के बीच बने डिवाइडरो में टेंकर के माध्यम से पानी की सिंचाई भी कराई जा रही है, जिससे सभी पेड़-पौधे जीवित रहे। नगर निगम भिलाई द्वारा प्रयास किया जा रहा है। उद्यानों में टहलने घूमने आने वाले सभी नागरिकों एवं बच्चों से यह भी अनुरोध है कि गार्डन में फूल पौधों को नुकसान ना पहुंचाएं, किसी प्रकार का गंदगी न करें, कोई दूसरा करता है तो उसे भी रोकने का प्रयास करें। इससे हमारा गार्डन और खूबसूरत रहेगा।

फ्लोरोसिस बीमारी से बचाव के लिए किया जा रहा है जागरूक

प्रभावित बसाहटों में किया गया स्वास्थ्य कैंप का आयोजन

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में फ्लोरोसिस बीमारी से बचाव के लिए जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग द्वारा 64 फ्लोरोसिस प्रभावित बसाहटों में कार्ययोजना बनाकर शिविर व स्कूलों में व्यापक प्रचार-प्रसार व उपचार किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बसंत कुमार सिंह ने बताया की साफ पानी और पौष्टिक भोजन अच्छी सेहत के लिए सबसे जरुरी चीजों में से एक है। शुद्ध पेयजल का सेवन नहीं करने से कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्यायों का सामना करना पड़ता है। फ्लोरोसिस भी असुरक्षित पेयजल से होने वाली एक गंभीर बीमारी है, जो शरीर में अत्यधिक फ्लोराइड की मौजदगी के कारण होता है। यह बीमारी अधिक फ्लोराइड वाला पानी पीने से या ज्यादा फ्लोराइड युक्त जल से सिंचित भोजन के सेवन से होता है। फ्लोरोसिस के कारण शरीर की हड्डियां विकृत हो जाती है। फ्लोरोसिस बीमारी से लोग सचेत व जागरूक हो इसलिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर व स्कूलों में बच्चों को जानकारी एवं दन्त चिकित्सक द्वारा दन्त परीक्षण कराया जा रहा है। सभी ग्राम जो फ्लोरोसिस प्रभावित है वहां के पानी की सैंपल भी पीएचई विभाग को फ्लोराइड की मात्रा के जांच हेतु भेजी जा रही है। पीएचई विभाग से रिपोर्ट मिलने पर आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

डॉ. बसंत कुमार सिंह ने बताया की स्वास्थ्य विभाग की टीम नियमित रूप से फ्लोरोसिस से प्रभावित गांव में जाकर इससे पीड़ित लोगों का उपचार कर रही है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के माध्यम से भी स्कूलों में फ्लोरोसिस की जांच की जाती है। जिला फ्लोरोसिस नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. खुशबू सिंह ने बताया कि फ्लोराइड की मात्रा अधिक होने से दांतों में पीलापन, समय से पहले दांतों का खराब होना, शरीर की हड्डियों में विकृति और टेड़ापन सामान्य रूप से देखे जाते है। दांतों का रंग बिगड़ना, मांसपेशियों और जोड़ो में दर्द होना, हाथों और पैरों का आगे की तरफ या पीछे की तरफ मुड जाना, लम्बी दुरी तक चलने में असमर्थ होना, पेट में दर्द होना और पेट फूलना भी इस बीमारी के लक्षणों में शामिल है। डॉ. खुशबू सिंह ने बताया कि जिले के 64 बसाहट फ्लोरोसिस से प्रभावित है जिसमे अभी तक विकासखण्ड रामचंद्रपुर के लगभग 12 ग्रामों में दंत चिकित्सकों के साथ स्वास्थ्य कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर कैंप आयोजित की गई है। जिसमें कुल 55 फ्लोरोसिस के मरीज मिले है जिनका उपचार किया गया है। डॉ. खुशबू सिंह ने बताया की पीने के पानी में फ्लोराइड की मात्रा एक पीपीएम होना चाहिए। इससे अधिक मात्रा में फ्लोराइड का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन 10 दिसम्बर तक

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। प्रदेश में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा का आयोजन किया जाना है। जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया प्रारंभ है।

सहायक आयुक्त आदिवासी बलरामपुर ने बताया है कि ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की प्रारंभिक तिथि 11 नवम्बर 2024 से अंतिम तिथि 10 दिसम्बर 2024 तक निर्धारित की गई है। आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार करने के लिए 11 दिसम्बर से 19 दिसम्बर 2024 को रात्रि 12 बजे तक समय घोषित किया गया है। प्रवेश हेतु चयन परीक्षा 19 जनवरी 2025 दिन रविवार को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक दो घंटे आयोजित की जाएगी। आवेदन पत्र भरने के लिए इच्छुक छात्र एकलव्य डॉट सीजी डॉट एनआईसी डॉट इन का प्रयोग कर सकते हैं।

गुमगरा वन क्षेत्र में बांस कटाई पर वन विभाग ने की कार्रवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। वन मंडल पेंडरखी के बीट से लगे गुमगरा जंगल में अवैध रूप से बांस कटाई किए जाने पर वन विभाग द्वारा कार्यवाही करते हुए काटे गए बांस को जब्त कर लिया गया है। ग्रामीणों द्वारा प्रतिदिन बड़ी मात्रा में बांस कटाई कर तस्करी किया जा रहा है। गौरतलब है कि सुरजपुर वन मंडल के पेंडरखी के बीट से लगे गुमगरा जंगल जो सरगुजा वन मंडल में आता है, में गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर उच्चाधिकारियों से प्राप्त निर्देश के बाद जयनगर सर्किल इंस्पेक्टर धीरेन्द्र सिंह द्वारा अपने वन अमले के साथ गुमगरा पहुंचकर महिला पुरुषों द्वारा विक्रय करने के उद्देश्य से काट कर रखे गए करीब पांच सौ नग बांस को जब्त कर जयनगर डिपो लाया गया है। जयनगर सर्किल के परिक्षेत्र सहायक अधिकारी धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि सूरजपुर वन मंडल के पेंडरखी बीट से लगे गुमगरा जो सरगुजा वन मंडल के अंतर्गत आता है। ग्रामीण महिलाओं द्वारा प्रतिदिन यहां से बड़ी मात्रा में बांस कटाई कर अपने घरों में संग्रह कर बाद में व्यापारियों को विक्रय कर दिया जाता है।जिसकी सूचना वन मंडलाधिकारी को देने के बाद उनके निर्देश पर वन अमले की टीम ने दबिश देकर काटकर रखे गए करीब पांच सौ नग बांस को जब्त किया है।कार्यवाही में उपवन क्षेत्रपाल के अलावा वन रक्षक राजकुमार राजवाड़े, संदीप कुजूर, नव नियुक्त महिला वन रक्षकों की टीम कार्यवाही में सक्रिय रही।

बलरामपुर जनपद में 25 नवम्बर को होगा प्लेसमेंट कैंप का आयोजन

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी दी है कि जिले के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए 25 नवम्बर 2024 को जिला स्तरीय प्लेसमेंट कैंप का आयोजन जनपद कार्यालय बलरामपुर में प्रातः 11 से 03 बजे तक किया जाएगा। आयोजित प्लेसमेंट कैंप में महामाया ट्रेक्टर शो रूम बलरामपुर, स्वतंत्र माइक्रोफिन, अग्रिम रक्षक सर्विस, एसआईएस, टैंगो सिक्योरिटी सर्विस एवं कैप्स्टोन सर्विस प्रा. लिमिटेड कंपनी उपस्थित होंगे। प्लेसमेंट कैंप में सेल्समैन के 04, फील्ड ऑफिसर के 50, रिलेशनशिप ऑफिसर के 10, सिक्योरिटी गार्ड के 770, सुपरवाइजर के 148, ड्राइवर के 55, गनमैन के 50, सुरक्षा जवान के 200, सुरक्षा अधिकारी के 10, कैश कस्टोरियम के 50, सीसीटीवी ऑपरेटर के 07 पद रिक्त हैं, जिसकी पूर्ति की जानी है। उक्त प्लेसमेंट कैंप में शामिल होने के लिए इच्छुक उम्मीदवार अपने शैक्षणिक दस्तावेज के साथ निर्धारित तिथि व समय में उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

व्यवसाई से सात लाख की धोखाधड़ी मामले में दो ठगों पर एफआईआर दर्ज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। करीब दो माह पूर्व ग्राम पंचायत शिवनंदनपुर मुख्य मार्ग पर स्थित बर्तन कारोबारी लक्ष्मी मेटल स्टोर्स के संचालक मनोज अग्रहरि से सात लाख रूपए की नगद ठगी मामले में पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है। ठगी के शिकार हुए बर्तन कारोबारी मनोज अग्रहरि ने बताया कि उनके मुख्य मार्केट शिवनंदनपुर गुरुद्वारा चौक स्थित बर्तन दुकान लक्ष्मी मेटल स्टोर्स में गत दिनों 25 सितंबर को दो व्यक्ति दुकान आकर खुद को थोक बर्तन व्यवसाई बताकर उनके द्वारा पीतल मूर्ति बर्तन, घंटी सहित इलेक्ट्रॉनिक चिप दिखा उनसे सौदेबाजी किया गया। इसके बाद मनोज अग्रहरि ने दोनों ठग को सामान भेजने के बदले साढ़े छह लाख नगद और पचास हजार रूपए यूपीआई के तहत अपने खाते में ट्रांसफर किया। सात लाख रुपए लेने के बाद दोनों ठग द्वारा चार कार्टून में जली हुई आईसी कबाड़ भेज ठगी कर लिया गया। व्यवसाई ने बताया कि घटना दिवस दोपहर बारह बजे उसके दुकान पहुंचे दोनों ठगों में एक ने अपना नाम सुनील राठौर जबकि दूसरे ने अपना नाम फिरोज खान मुरादाबाद यूपी से आना बताकर उन्होंने व्यवसाई को पीतल के बर्तन, मूर्ति, घंटी दिखाया। सही लगने सौदा जमने पर मनोज अग्रहरि ने दोनों को सात लाख रुपए के सामान का आर्डर दे दिया, जिसमें साढ़े छह लाख रुपए नगद मौके पर काउंटर में ही दिया, शेष पचास हजार रुपए सामान की डिलीवरी होना बताकर दोनों ठगों ने झांसा से फोन पे पर भुगतान करा लिया। 27 सितंबर को जब व्यवसाई मनोज अग्रहरि निजी काम से अंबिकापुर गया था। शाम को वापस आने पर उसके स्टॉफ ने बताया कि चार कार्टून में सामान आया है, खोलकर देखा तो कार्टून में जला हुआ आईसी कबाड़ भरा हुआ था। जिसके बाद उसने दोनों को फोन लगाया लेकिन दोनों का मोबाइल नंबर अब तक लगातार बंद आ रहा है। व्यवसाई ने दुकान की सीसीटीवी फुटेज, फोन पे पर किए पेमेंट की छाया प्रति सौंपकर पुलिस से कार्यवाही की मांग की थी।

बिश्रामपुर पुलिस मामले में भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 318 (2), 3 (5) के तहत जुर्म दर्ज कर आरोपियों की पता तलाश शुरू कर दी है। क्षेत्र में व्यवसाई से इस तरह का अनोखा ठगी का मामला क्षेत्र में लंबे समय से चर्चा का विषय बना हुआ है।

पशु सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन, पशुधन विकास को मिलेगी नई दिशा

सुकमा, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन और सीईओ जिला पंचायत श्रीमती नम्रता जैन के मार्गदर्शन में जिले की पशु सखियों के लिए आयोजित 3 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का डीआरपीसी में सफलतापूर्वक समापन हुआ। बिहान और पशु चिकित्सा विभाग के सहयोग से आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य पशु सखियों को पशुपालन से जुड़ी उपयोगी जानकारी और कौशल प्रदान करना था, जिससे वे जिले में पशुपालकों को और बेहतर सहायता मिल सकें। प्रशिक्षण के दौरान पशु सखियों की भूमिका, जिम्मेदारियां, पशु रोगों का प्रबंधन, पशुधन विकास के लिए सरकारी योजनाएं और सब्सिडी की जानकारी दी गई। इसके साथ ही, प्रतिभागियों को व्यावहारिक कौशल सिखाए गए और क्षेत्र में प्रदर्शन भी करवाया गया।

आनन्द शुक्ला होंगें कालीदास महाविद्यालय में सांसद प्रतिनिधि

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

प्रतापपुर। प्रतापपुर के भाजपा कार्यकर्ता आनन्द शुक्ला को सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ने शासकीय कालिदास महाविद्यालय में अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है। संगठन के प्रति समर्पण और सक्रियता को देखते हुए सांसद ने उन्हें यह नियुक्ति दी है। सांसद प्रतिनिधि बनने के बाद आनन्द शुक्ला ने कहा कि उन पर विश्वास दिखाते हुए जो जिम्मेदारी दी गई है वे उस विश्वास के अनुरूप काम करूंगा।वे प्रतापपुर के काफी पुराने कॉलेज की बेहतरी, छात्र छात्राओं को विभिन्न सुविधाएं दिलाने काम करेंगे।सड़क का मामला हो या यहां की कोई भी जरूरत और समस्या,वे सरगुजा सांसद और शासन तक पहुंचाएंगे ताकि छात्र व कॉलेज हित में उनका निराकरण हो सके।दूसरी तरफ सांसद प्रतिनिधि बनने पर उनके समर्थकों ने खुशी जाहिर की है और शुभकामनाएं दी हैं।

नगरपालिका एवं पंचायत चुनाव के निर्वाचक नामावली मुद्रण हेतु निविदा आमंत्रित

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जिला बलरामपुर-रामानुजगंज में नगरपालिका एवं त्रिस्तरीय पंचायत के आगामी आम निर्वाचन के लिए वार्डवार एवं विकासखण्डवार तैयार की गई निर्वाचक नामावली के मुद्रण के लिए मुहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की गई है।

निविदा फार्म का मूल्य (100 रुपये) निर्धारित है। निविदा फार्म जिला निर्वाचन कार्यालय बलरामपुर से किसी भी दिन कार्यालयीन समय में प्राप्त किया जा सकता है। निर्धारित फार्म में भरी निविदाएं जिला निर्वाचन कार्यालय में 03 दिसम्बर 2024 को दोपहर 03 बजे तक प्राप्त की जाएगी और उसी दिन शाम 04:00 बजे उपस्थित निविदाकारों या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जाएगी। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय से संपर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

लटोरी में किए गए समाधान शिविर में मिले 94 आवेदन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। क्षेत्र के ग्राम पंचायत लटोरी में आज समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आसपास के क्षेत्रवासी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन के साथ शिविर स्थल पहुंचे। समाधान शिविर में 94 आवेदन प्राप्त हुए।

शिविर में कलेक्टर एस.जयवर्धन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू सहित, सुरजपुर एसडीएम श्रीमती शिवानी जायसवाल एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। शिविर में कलेक्टर एस जयवर्धन ने सभी हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने हितग्राहियों द्वारा प्रस्तुत आवेदनों का अवलोकन करते हुए संबंधित विभाग को निराकरण हेतु निर्देशित किया।

कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को सभी आवेदनों पर त्वरित निराकरण के निर्देश देकर समय-सीमा में समाधान कारक निराकरण करने की बात कही। इस अवसर पर उन्होंने सभी को आयुष्मान कार्ड बनवाने और अपडेट कराने के लिए कहा, ताकि शासन की स्वास्थ्य योजना का लाभ आसानी से मिल सके। कलेक्टर ने कहा कि शासन सभी को पक्का आवास उपलब्ध करा रही है, ऐसे में पीएम आवास योजना का लाभ सभी हितग्राही उठाएं। साथ ही उन्होंने सभी उपस्थित जनों को अपने आधार कार्ड को अपडेट रखने की बात कही ताकि आसानी से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी को मिल सके। इसके अलावा उन्होंने सभी हितग्राहियों को आंगनबाड़ी में बच्चों एवं माताओं को मिलने वाली सुविधाओं का लाभ लेने के लिए भी कहा। इस अवसर पर कृषि, मत्स्य और महिला बाल विकास विभाग के विभिन्न योजनाओं के तहत सामग्रियों का वितरण भी हितग्राहियों को किया गया। साथ ही इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं का गोदभराई संस्कार भी महिला बाल विकास विभाग की ओर से किया गया।

शिक्षक संघर्ष मोर्चा पांच सूत्री मांगों को लेकर विकासखंड में सौंपा ज्ञापन

दुर्ग, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा में अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन कर रहा है। पांचवें चरण के आंदोलन में दुर्ग विकासखंड के एसडीएम तहसीलदार व विकासखंड शिक्षा अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। शिक्षक संघर्ष मोर्चा के ब्लॉक संचालक किशन देशमुख, प्रताप धनकर, मनीष साहू पदाधिकारियों ने बताया कि मांगों में मोदी की गारंटी के तहत सहायक शिक्षकों के वेतन विसंगति दूर कर समस्त एलबी संवर्ग को क्रमोन्नत समयमान वेतनमान प्रदान किया जाए। समतुल्य वेतनमान, पुनरीक्षित वेतनमान में सही वेतन का निर्धारण कर 1.86 के गुणांक पर वेतन निर्धारण किया जाए, पूर्व सेवा अवधि की गणना करते हुए समस्त शिक्षक एलबी संवर्ग का पुरानी पेंशन को निर्धारित करने एवं भारत सरकार द्वारा 2 सितंबर 2008 को जारी आदेश के समान 33 वर्ष में पूर्ण पेंशन के स्थान पर 20 वर्ष में पूर्ण पेंशन का प्रावधान, उच्च न्यायालय द्वारा याचिका में डबल बैंच द्वारा पारित निर्णय के तहत सभी पात्र एलबी संवर्ग के शिक्षकों के लिए क्रमोन्नति, समयमान का विभागीय आदेश जारी करने, शिक्षक व कर्मचारियों को केंद्र के समान 1 जुलाई 2024 से 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता, जुलाई 2019 से देय तिथि पर महंगाई भत्ते के एरियर राशि का समायोजन जीपीएफ सीजीपीएफ खाता में समायोजित करने जयपन दिया गया,।

शिक्षक मोर्चा द्वारा आगामी 2 माह का चरणबद्ध आंदोलन पूर्व सेवा गणना मिशन अभियान में तय किया गया है। इसके तहत 14 अक्टूबर को सभी जिला मुख्यालय में ज्ञापन दिया गया। 24 अक्टूबर को जिला मुख्यालयों में धरना, रैली प्रदर्शन कर मांग की गई। 1 नवंबर राज्य स्थापना के दिवस पर की मांग शामिल है। पांचवें चरण के आंदोलन में 11 नवंबर को शिक्षक संघर्ष मोर्चा से जुड़े शिक्षक आंदोलन में शामिल होकर ज्ञापन सौंपा गया । अब तक चार चरणों में आंदोलन किया जा चुका है लेकिन मोर्चा की मांगों पर कोई सकारात्मक पहल नहीं की गई है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा के जिला संचालक शत्रुघन साहू, चन्द्रशेखर तिवारी,संजीव मानिकपुरी, के साथ ब्लाक संचालक किशन देशमुख, प्रताप सिंह धनकर, मनीष कुमार साहू , जिला संचालक शत्रुघन साहू,चंद्रशेखर तिवारी, संजीव मानिकपुरी,जयंत यादव, कमल वैष्णव, वीरेंद्र वर्मा,संजय चंद्राकर, मंसाराम लहरे, दीपक साहू,विजय शंकर दरिया,अमिता हरमुख,टामिन वर्मा, चंद्रहास साहू,अमन गुप्ता, संजय मानिकपुरी,गिरीश कुमार वर्मा, राकेश धनकर, महेंद्र देवांगन, तिलक सेन, लोमन ठाकुर, गोवर्धन चंद्रवंशी,रोहित देशमुख ,रूपा साहू, जितेश साहू, राजेश चंद्राकर,अब्दुल वहाब खान,आदि उपस्थित थे।

दो ट्रकों के बीच जोरदार भिड़ंत

कोंडागांव-रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले के एनएच 30 पर सिंगनपुर के पास भीषण सड़क हादसा हो गया. हाईवे पर 2 ट्रकों के बीच भीषण टक्कर हो गई. दोनों ट्रकों की भिड़ंत इतनी खतरनाक थी कि दोनों ट्रकों के सामने के हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए. सूचना मिलने पर केशकाल पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और ट्रक में बुरी तरह घायल स्थिति में फंसे ड्राईवर को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया और तत्काल अस्पताल भेजा गया. वहीं दूसरा ट्रक ड्राईवर सुरक्षित बताया जा रहा है।

शासन द्वारा जमीनी स्तर पर लोगों की समस्याओं के निराकरण हेतु जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित, इसका लाभ जरूर उठाएं - विधायक श्री प्रबोध मिंज

लुण्ड्रा के ग्राम छेरमुण्डा में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में 173 आवेदनों का निराकरण, हितग्राहियों को सहायता राशि, हितग्राही मूलक सामग्री, दस्तावेज, आदि का वितरण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर/ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जिले में लगातार जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को विकासखण्ड लुण्ड्रा के ग्राम छेरमुण्डा में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में 173 हितग्राहियों को आवेदनों का निराकरण करते हुए सहायता राशि, आवश्यक दस्तावेज सहित हितग्राही सामग्रीमूलक सामग्री का वितरण किया। इस अवसर पर लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। शिविर में कलेक्टर श्री विलास भोसकर, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला एवं खण्ड स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने इस अवसर पर कहा कि जनसमस्या निवारण शिविर शासन की महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। इस शिविर के माध्यम से शासन की मंशा है कि जमीनी स्तर पर विभाग और अधिकारी पहुंचे और आमजनों की समस्या से अवगत होकर उनका निराकरण करें। इसी लक्ष्य के साथ जिले के जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी भी शिविर में उपस्थित रहते हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार यह शिविर मुख्य रूप से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित किए जा रहे हैं। प्रशासन द्वारा शिविर की पूर्व सूचना ग्राम में दी जाती है जिससे ज्यादा से ज्यादा ग्रामीणों को लाभ मिल सके और हर शिविर में इसी प्रक्रिया का अनुसरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिविर आपकी मदद के लिए किए जा रहे हैं, उनका फायदा जरूर उठाएं। विभागों द्वारा सर्वे के दौरान अपने आवेदन अवश्य दें जिससे समय में निराकृत हो सके। उन्होंने किसानों से अपील की कि धान खरीदी जारी है, समय पर धान विक्रय हेतु उपार्जन केंद्र ले जाएं। उन्होंने शिविर में किसानों को ऐप

के माध्यम से ऑनलाइन टोकन कटवाए जाने की सुविधा शासन द्वारा दिए जाने की भी जानकारी दी जिससे किसान को समिति जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा माइक्रो एटीएम की सुविधा भी समितियों में मिलेगी जहां से 10 हजार तक की राशि निकाली जा सकती है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत बनाने की दिशा में केंद्र सरकार द्वारा लगातार जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। जिसमें पीएम जनमन योजना के तहत पीवीटीजी बसाहटों में लोगों को विभिन्न सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है। इसी तरह जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना एक क्रांतिकारी योजना है जो आदिवासी समुदाय के विकास हेतु प्रतिबद्ध है।

अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक ने शिविर में प्रतिवेदन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिविर से पूर्व राजस्व, शिक्षा, खाद्य, पंचायत, समाज कल्याण, कृषि उद्यान, श्रम और स्वास्थ्य के आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 173 आवेदन निराकृत कर लिए गए हैं। उन्होंने कहा विभागीय अधिकारी एवं टीम गांव जाकर लोगों से आवेदन लें और गुणवत्तापूर्ण निराकरण समय सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने किसानों से अपील की कि आवश्यकता अनुरूप किसान अपना खाता बंटवारा जरूर करा लें जिससे शासकीय योजनाओं का लाभ उठाने में आसानी हो।

सहायता राशि, हितग्राही मूलक सामग्री, दस्तावेज का वितरण

शिविर में मुख्य अतिथि श्री मिंज एवं कलेक्टर श्री भोसकर ने हितग्राहियों को सहायता राशि, आवश्यक दस्तावेज सहित हितग्राही मूलक सामग्री का वितरण किया। जिसमें विधायक स्वेच्छानुदान सहायता राशि के तहत 10 हितग्राहियों को पांच पांच हजार की रुपए की राशि चेक का वितरण किया गया। इसी तरह खाद्य विभाग अंतर्गत 90 हितग्राहियों को राशन कार्ड, राजस्व विभाग के अंतर्गत फौती नामांतरण, बंटवारा सहित विभिन्न मामलों के 14 प्रकरणों का निराकरण, स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत 15 हितग्राहियों को जननी सुरक्षा योजना अंतर्गत प्रोत्साहन राशि, श्रम विभाग अंतर्गत 15 हितग्राहियों को श्रम कार्ड, समाज कल्याण विभाग अंतर्गत 10 हितग्राहियों को परिवार सहायता, शिक्षा विभाग अंतर्गत 05 छात्र छात्राओं को जाति प्रमाण पत्र, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत 07 हितग्राहियों को जॉब कार्ड, उद्यानिकी एवं कृषि विभाग के 17 हितग्राहियों को स्प्रेयर पंप, विद्युत पंप जैसी हितग्राही मूलक सामग्री का वितरण किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा 05 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड और 03 विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवारों को आवास पूर्णता पर प्रतीकात्मक रूप से चाभी और घड़ी प्रदाय की गई। जनसमस्या निवारण शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

लॉ एंड ऑर्डर के संबंध में कलेक्टर-एसपी ने ली राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त बैठक

राजस्व एवं पुलिस की टीम आपसी सामंजस्य के साथ कार्य करें, लोक शांति भंग करने वाली गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखें- कलेक्टर श्री विलास भोसकर

आमजन का प्रशासन के प्रति भरोसा बढ़े, अपने दायित्व का संवेदनशीलता और गम्भीरतापूर्वक निर्वहन करना सुनिश्चित करें- एसपी श्री योगेश पटेल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर / कलेक्टर श्री विलास भोसकर एवं पुलिस अधीक्षक श्री योगेश पटेल ने शुक्रवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में जिले में कानून व्यवस्था के

संचालन एवं नियंत्रण के सम्बन्ध में राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। बैठक में कलेक्टर श्री भोसकर ने कहा कि जिले में शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए राजस्व एवं पुलिस विभाग को संयुक्त प्रयास करते हुए आपसी सामंजस्य के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि लोक शांति भंग करने वाली गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखें तथा आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। अपने सूचना तंत्र को मजबूत करें, ताकि किसी भी घटना की सूचना आप तक पूर्व में पहुंच जाएं, जिससे समय पर कार्यवाही हो। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय एवं सामाजिक समस्याओं के निराकरण के लिए कानूनी अधिकारों का प्रयोग करते हुए नियमानुसार कार्यवाही करें। जनप्रतिनिधियों एवं ग्राम वासियों से संपर्क कर बैठक कर क्षेत्रीय मांग एवं विवाद की स्थिति में चर्चा के द्वारा समाधान करने का प्रयास करें। उन्होंने सभी अधिकारियों को सजगता एवं सतर्कता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री योगेश पटेल ने कहा कि धरना प्रदर्शन, रैली, जुलूस के समय पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारी उपस्थित रहें। यदि किसी स्थान पर चक्का जाम की स्थिति निर्मित होती है, तो सबसे पहले लोगों को समझाएं, सम्बन्धित विभाग के अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहें। बाउंड ओवर की कार्यवाही के बाद संबंधित थाने को भी सूचित करें जिससे कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग हो सके। उन्होंने कानून व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए ब्लैक स्पॉट पर नियमित रूप से भ्रमण एवं निरीक्षण किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाली असामाजिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान रखें एवं ऐसे व्यक्तियों की पहचान कर जानकारी एकत्र करें। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में स्थानीय निर्वाचन होने वाले हैं, इसके लिए पूर्व तैयारी सुनिश्चित करें। आम जनता पर प्रशासन के प्रति भरोसा रहे। लोगों के प्रति संवेदनशील रहें तथा गम्भीरतापूर्वक ढंग से अपने दायित्व का निर्वहन करें। बैठक में कानून व्यवस्था बनाए रखने के सम्बंध में अन्य विषयों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

किसान ने जहर खाकर की आत्महत्या, खेती में पैदावार कम होने से था परेशान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बीघापुर, उन्नाव। थाना क्षेत्र के ओसिया गांव में एक किसान ने खेतों में फसल की पैदावार कम होने के कारण अवसाद में आकर जहरीला पदार्थ निगल लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। परिजनों से घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। आप को बता दे कि ओसिया गांव निवासी दिनेश शर्मा (38) पुत्र स्व. शीतला प्रसाद खेती-बाड़ी कर अपने परिवार का पालन पोषण करता था। बुधवार रात अचानक उसने जहरीला पदार्थ निगल लिया, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई। परिजन तुरंत उसे उपचार के लिए सीएचसी बीघापुर ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बड़े भाई रवि शर्मा ने बताया कि दिनेश चार भाइयों में सबसे छोटा था और घर का अकेला जिम्मेदार था। खेती-बाड़ी करके ही परिवार का भरण पोषण करता था। पिछले कुछ माह से खेतों में पैदावार कम हो रही थी और लागत अधिक हो रही थी, जिससे वह मानसिक तनाव में था।

4 दिसंबर तक आयोजित होगा पुरुष नसबंदी पखवाड़ा

मोर मितान मोर संगवारी के माध्यम से दूर की जाएँगी शंकाएं

दो चरणों में होगा आयोजन, पहले चरण में चलेगा दंपती संपर्क सप्ताह तथा दूसरे चरण में उपलब्ध कराई जाएंगी सेवाएं

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर / पुरुष नसबंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार से जिले में पुरूष नसबंदी पखवाड़ा चलाया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री पी.एस.मार्को ने बताया कि यह पखवाड़ा दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें पहला चरण मोबिलाइजेशन और दूसरा सेवा वितरण चरण के रूप में मनाया जाएगा। इस वर्ष पुरूष नसबंदी पखवाड़ा आज ही शुरूआत करें, पति-पत्नी मिलकर परिवार नियोजन की बात करें के थीम पर मनाया जाना है। पखवाड़े के पहले चरण में लाभार्थियों को पुरुष नसबंदी की जानकारी दी जा रही है और उन्हे इसे अपनाने के लिए तैयार किया जा रहा है, वहीं दूसरे चरण में सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी। पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता मोर मितान मोर संगवारी का आयोजन करेंगे जिसमें वह अपने क्षेत्र के समस्त लक्षित दंपतियों के पुरुषों से संपर्क कर व्यक्तिगत चर्चा में नसबंदी के फायदे बताएंगे और साथ ही समुदाय में फैले हुए पुरुष नसबंदी से संबंधित मिथकों और भ्रांतियों को दूर करने के लिए परामर्श करेंगे। इस दौरान मुख्यतः वैसेक्टोमी यानी पुरुष नसबंदी पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि जिले में मैदानी स्तर पर जागरूकता तथा नसबंदी को बढ़ावा देने हेतु पुरूष स्वास्थ्य कार्यकर्ता, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक, बीईटीओ तथा मितानिनों को व्यक्तिगत चर्चा एवं परामर्श पुरूष नसबंदी के फायदे को हितग्राहियों तक प्रचारित करने तथा पुरूष नसबंदी को बढ़ावा देने हेतु मोर मितान मोर संगवारी के माध्यम शंकाएं दूर करने किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

सिविल सर्जन डॉ जे के रेलवानी ने बताया बढ़ती जनसंख्या को लेकर पूरा देश और विश्व चिंतित है। हम परिवार नियोजन के साधनों को इस्तेमाल करें और जो गलतफहमियां समाज में हैं उसे दूर करें, कई लोग ये मानते हैं कि पुरुष नसबंदी के बाद कई दिनों तक अस्पताल में रहना पड़ता है और स्वास्थ्य लाभ लेना पड़ता है, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। परिवार नियोजन के तहत नसबंदी का ऑपरेशन 20 मिनट में पूरा हो जाता है, 24 घंटे के बाद आदमी अपना सामान्य काम भी करने लगता है। नोडल अधिकारी डॉ रोजलीन आर एक्का ने बताया कि पखवाड़े का उद्देश्य लोगों का ध्यान प्रजनन स्वास्थ्य समस्याओं की ओर भी दिलाना है क्योंकि खराब स्वास्थ्य दुनिया भर में गर्भवती महिलाओं की मौत का प्रमुख कारण है। उन्होंने बताया कि शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में नसबंदी उपरांत हितग्राहियों हेतु प्रावधानित प्रोत्साहन या प्रतिपूर्ति राशि अंतराल महिला नसबंदी को 2 हजार प्रसवोत्तर महिला नसबंदी को 3 हजार रुपए एवं पुरूष नसबंदी को 3 हजार रूपए की राशि प्रदाय की जाती है।

इंद्र का घमंड दूर करने के लिए श्री कृष्ण ने उठाया गोवर्धन पर्वत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सुमेरपुर, उन्नाव। भगवान सभी का घमण्ड दूर करते है। भगवान श्रीकृष्ण ने इन्द्र का घमण्ड दूर करने के लिए गोवर्धन पर्वत को उठा कर बृजवासियों की रक्षा की तहसील बीघापुर क्षेत्र के ग्राम मानपुर मनिकापुर मे आयोजित भागवत कथा के पांचवे दिन कन्चौसी औरैया से पधारे कथा व्यास पं लक्ष्मीकांत पाण्डेय ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला व गोवर्धन पूजा की कथा सुनाई। कथा के दौरान ही सदर विद्यायक पंकज गुप्ता ने भी कथा स्थल पर पहुँचकर कथा ब्यास से आशीर्वाद लिया। कथा ब्यास ने कथा सुनाते हुए बताया कि इन्द्र को अपनी सत्ता व शक्ति पर घमण्ड हो गया था। इन्द्र का घमण्ड दूर करने के लिए भगवान ने बृज मे इन्द्र की पूजा बन्द करा दी और गोवर्धन की पूजा शुरू करा दी। इससे गुस्साए इन्द्र ने बृजमण्डल मे भारी बरसात करवाई। प्रलय से लोग त्राहि त्राहि करने लगे। और भगवान की शरण मे गये। भगवान ने वर्षा से रक्षा के लिए कनिष्ठिका

अंगुली मे गोवर्धन को धारण कर लिया। सात दिनों तक भगवान पर्वत को धारण किए रहे। सात दिनों बाद इन्द्र को अपनी भूल का एहसास हुआ। लीलाधर की लीला और माया से सभी ने इन्द्र के स्थान पर गोवर्धन की पूजा शुरू कर दी। कथा मे यजमान शिव हर्ष सिंह, आशा सिंह, भाजपा नेता आनंद अवस्थी, एडवोकेट, शिव शंकर सह विभाग प्रचार, आशीष जी जिला कार्यवाहक, अरविन्द सिंह उदय शंकर पाण्डेय, रतीभान सिंह, कमल सिह, अरुण प्रकाश मिश्रा, रघुपति सिंह, रमेश चन्द तिवारी, राम चन्द्र शुक्ला, रावेन्द्र सिंह, सुरेश सिंह, अनिल सिंह, विश्वास प्रताप सिंह, अथर्व सिंह, जयकरन सिंह, अन्नू तिवारी, सोनी मिश्रा सहित सैकड़ों भक्त उपस्थित रहे।

हिंसक वन्यप्राणियों द्वारा मकानों के क्षति होने पर मिलने वाली क्षतिपूर्ति राशि में हुई वृद्धि

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर/ सरगुजा वनवृत्त के मुख्य वन संरक्षक ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा हिंसक वन्यप्राणियों से सामान्य क्षेत्रों में पक्का या कच्चा मकान दोनों तरह के मकानों के क्षति होने पर क्षतिपूर्ति राशि में वृद्धि की गयी है। जिसमें पहले पक्के या कच्चे मकानों की 100 प्रतिशत क्षति होने पर प्रति मकान 95100 रुपए का भुगतान किया जाता था, लेकिन अब 100 प्रतिशत क्षति होने पर प्रति मकान रुपए 120000 रुपए का भुगतान किया जायेगा। इसमें लगभग 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी प्रकार पहाड़ी क्षेत्रों के लिए पक्का या कच्चा मकान दोनों तरह के मकान पूर्ण क्षतिग्रस्त होने पर प्रति मकान रुपए 101900 रुपए दिए जाते थे, लेकिन अब 100 प्रतिशत क्षति होने पर प्रति मकान रुपए 130000 रुपए निर्धारित किया गया है। इसमें लगभग 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा इस प्रकार क्षतिपूर्ति की राशि में वृद्धि होने पर ग्रामीण लाभान्वित होंगे और हाथी मानव द्वन्द में आवश्यक रूप से कमी होना स्वाभाविक है।

भारत मंडपम में दूर से खड़े खड़े कार्यक्रम देख रहे थे एक बुजुर्ग, मुख्यमंत्री ने पास बुलाया और अपने साथ बैठने का किया आग्रह

भारत मंडपम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की आत्मीयता ने जीता सबका दिल

मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता छूगई दिल वालों की नगरी दिल्ली के लोगों को भी

मुख्यमंत्री श्री साय ने किया सियान का सम्मान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर - मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सादगी और संवेदनशीलता ने एक बार फिर लोगों के दिलों को छू लिया। यह दृश्य था राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के प्रगति मैदान के भारत मंडपम में, जहां छत्तीसगढ़ दिवस के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन चल रहा था। छत्तीसगढ़ की परंपरा और

कला की शानदार प्रस्तुतियां मंच पर हो रही थीं, और दर्शक तालियों से कलाकारों का उत्साह बढ़ा रहे थे। इसी दौरान मुख्यमंत्री श्री साय की नजर दर्शकों के बीच एक वृद्ध व्यक्ति पर पड़ी, जो खड़े होकर कार्यक्रम देख रहे थे। मुख्यमंत्री ने तुरंत अपने सहायक से कहा कि उस बुजुर्ग को पास बुलाएं। कुछ ही पल में वह बुजुर्ग व्यक्ति मुख्यमंत्री के पास पहुंचे। श्री साय ने बड़े ही आत्मीय भाव से उनका स्वागत किया और उन्हें अपने पास बैठने का आग्रह किया। कार्यक्रम देखकर बाहर आये बुजुर्ग श्री रामावतार तिवारी ने बताया कि मुझे बहुत अच्छा लगा जब मुख्यमंत्री ने मुझे सम्मान दिया, अपने पास बैठाया और मेरा हालचाल पूछा। मुख्यमंत्री ने इतना बड़ा ओहदा हासिल करने के बाद भी अपनी विनम्रता और संस्कार को नहीं छोड़ा। श्री रामावतार तिवारी ने बताया कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति और सीधे सरल लोगों के बारे में सुनते आये हैं। वहां के मुख्यमंत्री से मिलकर लगा कि सीधे और सरल लोगों के मुखिया भी सीधे और सरल स्वभाव के हैं। मुख्यमंत्री श्री साय का हृदय संवेदनशीलता से परिपूर्ण है। हम एक दूसरे से अपरिचित भले ही हो सकते हों लेकिन संवेदनशील हृदय के द्वारा हम एक दूसरे की भावनाओं को प्रगाढ़ता से महसूस कर सकते हैं।

शासकीय कार्य में लापरवाही पर एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना के भृत्य निलंबित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर / अपने कार्य में लगातार लापरवाही बरतने पर कार्यालय एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना अम्बिकापुर में कर्तव्यस्थ भृत्य जेम्स तिर्की को एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना के परियोजना प्रशासक द्वारा निलंबित कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला अंत्यावसायी कार्यालय व्यवसायिक प्रशिक्षण केन्द्र अम्बिकापुर जिला सरगुजा से कार्यालय एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना अम्बिकापुर में कर्तव्यस्थ भृत्य जेम्स तिर्की के द्वारा अलग-अलग मामलों में लोगों से दुर्व्यवहार किए जाने और पूर्व में भी शासकीय कार्यों में स्वेच्छाचारिता एवं अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने संबंधी लापरवाही पर उक्त व्यक्ति द्वारा शासकीय नियमों का निरंतर उल्लंघन पाया गया है। उक्त कृत्य शासकीय सेवा में कदाचरण एवं सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के सामान्य नियम (1) एवं (2) नियम 3 (क) एवं (ग) तथा नियम-8 के विपरीत होने के कारण जेम्स तिर्की को छत्तीसगढ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 (1) (क) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत उदयपुर जिला-सरगुजा निर्धारित किया जाता है।

हिंसक वन्यप्राणियों से मकानों के क्षति होने पर क्षतिपूर्ति राशि में हुई वृद्धि

अम्बिकापुर / सरगुजा वनवृत्त के मुख्य वन संरक्षक ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा हिंसक वन्यप्राणियों से सामान्य क्षेत्रों में पक्का या कच्चा मकान दोनों तरह के मकानों के क्षति होने पर क्षतिपूर्ति राशि में वृद्धि की गयी है। जिसमें पहले पक्के या कच्चे मकानों की 100 प्रतिशत क्षति होने पर प्रति मकान 95100 रुपए का भुगतान किया जाता था, लेकिन अब 100 प्रतिशत क्षति होने पर प्रति मकान रुपए 120000 रुपए का भुगतान किया जायेगा।

सम्पादकीय

भारत के लिए गड्ढा खोदने वाला पाकिस्तान खुद उसमें गिर रहा

जो दूसरों के लिए गड्ढा खोदते हैं, वो खुद उसमें गिरते हैं। हिन्दी की यह पुरानी कहावत पड़ोसी पाकिस्तान पर फिट बैठती है। भारत को अस्थिर करने के इरादे से आतंकियों को पालता रहा पाकिस्तान अब खुद उनसे मिले जख्मों से छलनी हो रहा है। मंगलवार रात को भी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले में आतंकियों ने सेना की एक पोस्ट पर आत्मघाती हमला कर दिया। इस हमले में 12 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई है। आतंकी एक गाड़ी में सवार होकर चेक पोस्ट पर हमला करने पहुंचे थे। तीन दिन पहले बलूचिस्तान में सेना की पोस्ट पर हमला हुआ था। इस हमले में पाक सुरक्षाबलों के 7 सैनिक मारे गए थे। हमले की जिम्मेदारी मिलिटेंट बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ली थी। इससे पहले क्वेटा रेलवे स्टेशन पर 9 नवंबर की सुबह ब्लास्ट हुआ था। इस ब्लास्ट में 26 लोग मारे गए थे, वहीं 50 से ज्यादा घायल हुए थे। इस हमले की जिम्मेदारी भी मिलिटेंट ग्रुप बलूच लिबरेशन आर्मी ने ली थी। पाकिस्तान में लगातार हो रहे इन हमलों से एक बात तो साफ है कि आतंकी संगठनों ने जाल फैला दिया है, जो धीरे-धीरे पूरे देश में अपना शिकंजा कस रहे हैं। आतंकी हमलों की संख्या और उससे होने वाली मौतों की संख्या फिर से बढ़ने लगी है। सांप्रदायिकता बढ़ रही है और आबादी को कट्टरपंथी बनाने वाले कारण न केवल मौजूद हैं, बल्कि कुछ मामलों में समस्या को और भी गंभीर बना रहे हैं। इसके बावजूद पाकिस्तान के सियासी आका अपना दोहरा रवैया छोड़ने को तैयार नहीं हैं। एक तरफ तो वो आतंकी हमलों से कहरा रहे हैं वहीं दूसरी तरफ आज भी पाकिस्तान लश्कर-ए-तैयबा के लिए सबसे सुरक्षित देश है। मुम्बई हमलों से जुड़े आतंकी आज भी पाकिस्तान में मौज कर रहे हैं। कोई दिन ऐसा नहीं जाता जब आतंकी पाकिस्तान के किसी कोने में धमाके न करते हों। इसके बावजूद वहां की सरकारें सुधरने को तैयार नजर नहीं आतीं। पाकिस्तान में हाल ही में हुई आतंकी घटनाएं ऐसे समय में और भी महत्वपूर्ण हो जाती हैं, जब पाकिस्तान राजनीतिक और वित्तीय चुनौतियों का सामना कर रहा है। सरकार की कमजोरी ने आतंकी संगठन को प्रोत्साहित किया। इससे पहले सरकार ने आतंकवाद की घटनाओं में वृद्धि के लिए खैबर पख्तूनख्वा में पीटीआई सरकार को दोषी ठहराया था। बता दें कि टीटीपी ने 2014 में पेशावर में आर्मी पब्लिक स्कूल पर आतंकवादी हमला किया था और 122 निर्दोष छात्रों और 22 शिक्षकों की हत्या कर दी थी। सरकार ने आतंकियों से निपटने के बजाय उनसे बातचीत पर ध्यान केंद्रित किया, जिससे आतंकी संगठनों में और भी ज्यादा जोश और उत्साह आया। अब वे हर दिन धमाके कर रहे हैं और पाकिस्तान का सीना छलनी हो रहा है। देश के नागरिक तो मर ही रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय समुदाय भी पाकिस्तान को लताड़ चुका है। आतंकी फंडिंग पर निगाह रखने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था एफएटीएफ ने साफ कहा कि पाकिस्तान ने आतंकवाद को पोषित करने वाले तौर-तरीकों पर लगाम लगाने का काम नहीं किया है। भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि जहां उसकी ओर से पाकिस्तान की घेरेबंदी जारी रहे, वहीं अगर वह आतंक का रास्ता न छोड़े तो उसे अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में बेनकाब करता रहे। सच तो यह है कि पाकिस्तान अभी भी दुनिया के लिए खतरा है। उचित यह होगा कि भारत सरकार अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को इससे परिचित कराए कि पाकिस्तान की धरती पर पल रहे किस्म-किस्म के आतंकी भारत के लिए खतरा बने हुए हैं।

बुलडोजर एक्शन
राधा रमण

नजीर बनेगा सुप्रीम कोर्ट का फैसला

> शीर्ष अदालत का यह फैसला तब आया जब 22 अगस्त 2022 को जमीयत-उलेमा-ए हिंद ने याचिका दाखिल की। जमीयत ने याचिका में कहा था कि भाजपा शासित राज्यों में मुसलमानों को निशाना बनाकर बुलडोजर एक्शन लिया जा रहा है। याचिका में ह्यूमन राइट्स पर केंद्रित एनजीओ एमनेस्टी इंटरनेशनल की एक रिपोर्ट का हवाला दिया गया जिसमें अप्रैल से जून 2022 तक भाजपा शासित पांच राज्यों उत्तरप्रदेश, असम, गुजरात, उत्तराखंड और मध्यप्रदेश में बुलडोजर एक्शन की 128 घटनाओं का जिक्र किया गया है। हालांकि इससे पहले भी बुलडोजर एक्शन के बहुतायत मामले हो चुके थे और कोर्ट में याचिका दाखिल करने के बाद भी बुलडोजर से घर गिराने का काम जारी रहा।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों देश में माफिया या आपराधिक मामलों के महज आरोपी होने के कारण बुलडोजर से उनका घर गिराए जाने की कार्रवाई पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाते हुए पूरी कार्यपालिका को कठघरे में खड़ा कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि रोटी, कपड़ा के साथ आवास (घर) भी नागरिकों के मौलिक अधिकारों में शामिल है। आदमी जीवनभर की कमाई खर्च करके घर बनाता है। इसलिए बगैर किसी ठोस कारणों के किसी का घर गिराना मनमानी है। यदि सरकार उचित प्रक्रिया का पालन किए बगैर किसी का घर गिराती है तो उसे सत्ता की शक्ति का दुरुपयोग माना जाएगा।

सनद रहे कि पिछले कुछ वर्षों से उत्तरप्रदेश, असम, गुजरात, मध्यप्रदेश और उत्तराखंड की सरकारें कई अपराधियों के घरों को बुलडोजर से ध्वस्त करती रही हैं। इसमें दो राय नहीं है कि बुलडोजर से न्याय देने की परिपाटी उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुरू की थी। बाद में यह अभियान इतना तेज हो गया कि पुलिस-प्रशासन बेख़ौफ़ होकर किसी आरोपी के घर को बुलडोजर से ध्वस्त करने लगा था। विपक्ष बार- बार बोलता रहा कि सरकार बदले की भावना से काम कर रही है और खासकर एक जाति विशेष के लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। लेकिन सरकार इसे 'रामराज्य' का न्याय बताकर अपनी पीठ थपथपाती रही। बाद में भाजपा शासित कई अन्य राज्यों ने बुलडोजर एक्शन को अपना रोल मॉडल बना लिया।

हालत यह हो गई कि मध्यप्रदेश के शहडोल में सांप्रदायिक दंगे में एक ऐसे व्यक्ति का घर ध्वस्त कर दिया गया जो घटना के पहले से किसी अन्य मामले में जेल में बंद था। यही नहीं अयोध्या में रेप के आरोपी समाजवादी पार्टी के एक अल्पसंख्यक नेता का घर बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। बाद में डीएनए जांच में वह बेदाग़ पाया गया। उत्तरप्रदेश में विपक्ष यह भी आरोप लगाता रहा कि जिला परिषद् के चुनाव में सरकार ने बुलडोजर का भय दिखाकर परिणाम अपने पक्ष में कर लिया था लेकिन तब मीडिया, अदालत या किसी अन्य ने इसका नोटिस लेना जरूरी नहीं समझा था। शीर्ष अदालत का यह फैसला तब आया जब 22 अगस्त 2022 को जमीयत- उलेमा-ए-हिंद ने याचिका दाखिल की। जमीयत ने अपनी याचिका में कहा था कि भाजपा शासित राज्यों में मुसलमानों को निशाना बनाकर बुलडोजर एक्शन लिया जा रहा है। याचिका में ह्यूमन राइट्स पर केंद्रित एनजीओ एमनेस्टी इंटरनेशनल की एक रिपोर्ट का हवाला दिया गया जिसमें अप्रैल से जून 2022 तक भाजपा शासित पांच राज्यों उत्तरप्रदेश, असम, गुजरात, उत्तराखंड और मध्यप्रदेश में बुलडोजर एक्शन की 128 घटनाओं का जिक्र किया गया है। हालांकि इससे पहले भी बुलडोजर एक्शन के बहुतायत मामले हो चुके थे और कोर्ट में याचिका दाखिल करने के बाद भी बुलडोजर से घर गिराने का काम जारी रहा। इसी साल 24 जून को बरेली में एक प्लाट पर कब्जे को लेकर दो पक्षों में पथराव और फायरिंग की घटनाएं हुईं।

प्रशासन ने आरोपी बिल्डर के घर, फार्म हाउस और रिसॉर्ट को बुलडोजर लगाकर ध्वस्त कर दिया। इसी तरह

मुरादाबाद में अपहरण के एक आरोपी का घर 28 जून को ढहा दिया गया। सरकार की दलील रही कि घर सरकारी जमीन पर बनाए गए थे और अतिक्रमण हटाने के उद्देश्य से घरों को गिराया गया। अदालत में सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि कोर्ट अपने फैसले से हमारे हाथ नहीं बांधे।

किसी की भी प्रोपर्टी इसलिए नहीं गिराई गई है कि उसने अपराध किया है बल्कि आरोपी के अवैध अतिक्रमण पर कानूनन एक्शन लिया गया है। सवाल उठता है कि अगर अतिक्रमण पर एक्शन लिया गया है तो सरकार का एक्शन 40 -50 साल बाद क्यों लिया गया? फिर अतिक्रमण कराने अथवा इतने दिनों तक इसकी अनदेखी करने वाले अधिकारियों पर सरकार ने क्या एक्शन लिया? किसी का घर रातोंरात तो नहीं बन जाता है। उसे बनाने में वर्षों लग जाते हैं और व्यक्ति की जीवनभर की कमाई खर्च हो जाती है। सवाल यह भी उठता है कि घर बनाते समय प्रशासनिक अमला किस नींद में सो रहा था? संभवतः अदालत ने यही खोट पकड़ी। शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कहा कि "क़ानून को ताक पर रखकर किया गया 'बुलडोजर जस्टिस' असंवैधानिक है। किसी के घर को सिर्फ इस आधार पर नहीं तोड़ा जा सकता कि वह दोषी है। फिर अफसर न्याय करने का काम अपने हाथ में नहीं ले सकते। वे किसी को कोर्ट में मुक़दमा चलाए जाने से पहले दोषी नहीं ठहरा सकते। वे जज नहीं बन सकते। अदालत ने अपने फैसले में आर्टिकल 21 का भी जिक्र किया। इसके तहत लोगों को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार मिला हुआ है।

शीर्ष अदालत ने लोगों के घरों में रहने के मौलिक अधिकार को ख़त्म करने के लिए बुलडोजर एक्शन के 'डरावने मंजर' की बात कही। साथ ही बुलडोजर से घरों और प्रतिष्ठानों को गिराने के लिए 15 सूत्री गाइडलाइन भी जारी किया। इसके तहत बुलडोजर एक्शन के 15 दिन पहले रजिस्टर्ड डाक से नोटिस देना शामिल है ताकि आरोपी बचाव के लिए उचित फोरम पर अपना तथ्य रख सके। कोर्ट ने फैसले में साफ कहा है कि हर जिले का डीएम अपने क्षेत्राधिकार में किसी भी संरचना के विध्वंस को लेकर एक नोडल अधिकारी को नियुक्त करेगा। ऐसा नहीं करने पर संबंधित अधिकारी से ब्याज समेत घर बनाने का खर्च वसूल किया जाएगा। बिना उचित कारण बताए कोई तोड़फोड़ नहीं की जाएगी और नोटिस भेजने के बाद 15 दिन का समय दिया जाएगा। नोटिस की जानकारी जिला कलेक्टर को देनी अनिवार्य है। इस दौरान अधिकारी पीड़ित व्यक्ति की फ़रियाद सुनेंगे। इसकी रिकार्डिंग की जाएगी। इस पूरी प्रक्रिया के लिए एक डिजिटल पोर्टल बनाना अनिवार्य होगा जिसमें कार्रवाई का नोटिस और ऑर्डर की कॉपी अपलोड करना होगा। प्रभावित व्यक्ति के जवाब से असंतुष्ट होने पर दोबारा 15 दिन का नोटिस देना होगा ताकि प्रभावित व्यक्ति अदालत में अपना पक्ष रख सके।

अगर अदालत इस बीच मामले पर स्टे नहीं देती है तो प्रोपर्टी गिराई जा सकती है। लेकिन उसकी भी वीडियोग्राफी करानी होगी और उसे पोर्टल पर अपलोड करना होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि सुप्रीम अदालत का यह फैसला आने वाले दिनों के लिए नजीर बनेगा। अदालत के इस फैसले से आतंक के साए में जीवन बसर कर रहे लोगों को निःसंदेह राहत मिलेगी और सरकार के इशारे पर काम करने वाले अधिकारियों की मनमानी पर अंकुश लगेगा। देखना दिलचस्प होगा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला 'बुलडोजर एक्शन' पर अंकुश लगा पाता है या सरकार और उसके नुमाइंदे इसका कोई तोड़ निकाल लेते हैं। यह तो आने वाला समय ही बता सकता है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।

पर्यावरण
डॉ. मोनिका शर्मा

ग्रीन इलेक्शन : सार्थक मुहिम को मिले बल

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों में नारों और पोस्टरों की सुर्खियों और प्रत्याशियों के आरोपों-प्रत्यारोपों की गहमागहमी के बीच चुनाव आयोग की एक महत्वपूर्ण पहल भी चर्चा का विषय बनी हुई है। ध्यातव्य है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव- 2024 में चुनाव आयोग की यह आवश्यक पहल पर्यावरण सहेजने से जुड़ी है। इस विचारणीय कदम के लिए आगामी चुनावों में मुंबई के दो विधानसभा क्षेत्रों को चुना गया है। इसके तहत चेंबूर और अणुशक्ति नगर विधानसभा क्षेत्र में ग्रीन इलेक्शन की सार्थक संकल्पना को पूरा करने की कोशिश को धरातल पर उतारने का प्रयास किया जाएगा। दमघोटू हवा और बढ़ते तापमान के चरम मौसमी हालातों से जूझने के इस दौर में इस पहल का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया में पर्यावरण को पहुंचने वाली हानि को रोकना है। चुनावों के दौरान पैदा होने वाले प्रदूषण को खत्म करने का सार्थक प्रयास करना है। विचारणीय है कि राजधानी दिल्ली हो या देश एक दूसरे महानगर कमोबेश सभी क्षेत्र प्रदूषण की चपेट में हैं। ऐसे में मन-जीवन से जुड़ी हर गतिविधि के मोर्चे पर ही कम से कम प्रदूषण फैलाने के मार्ग तलाशने आवश्यक हैं। साथ ही धरती के रंग छीनती और जीवन लीलती इस साझी समस्या से मिलकर जूझने की भी दरकार है।

मुंबई में भी आमजन और प्रत्याशियों से पर्यावरण सहेजने की इस मुहिम से जुड़ने को कहा गया है। दरअसल, चुनाव आयोग द्वारा इस सार्थक अभियान को सफल बनाने के लिए दो तरह की कोशिशें की जा रही हैं। एक ओर प्रत्याशियों से पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाली प्रचार सामग्री से दूरी बनाने को कहा जा रहा है तो दूसरी ओर मतदाताओं से एक वोट के साथ एक पौधा लगाने की अपील की जा रही है।दोनों ही बातें चुनाव के दौरान पैदा होने वाले प्रदूषण को रोकने से जुड़ी हैं। पौधरोपण से हरियाली पोसने और पर्यावरण संतुलन का प्रयास किया जा रहा है तो चुनाव प्रचार की सामग्री का प्लास्टिक फ्री और इको फ्रेंडली होना प्रदूषण फैलने से रोकने वाला कदम है। चूंकि मुंबई महानगर में पौधरोपण करने के लिए जगह की कमी है, इसलिए मतदाताओं को अपने फ्लैट या घर में गमले में एक पौधा लगाने की अपील की गई है। असल में भारतीय चुनाव आयोग द्वारा पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल चुनाव प्रक्रिया को काफी समय से बढ़ावा दिया जा रहा है। पहले भी चुनावों में राजनीतिक दलों को मतदाता सूची और चुनावी सामग्री के लिए कागज का उपयोग कम से कम करने के निर्देश जारी किए जा चुके हैं। इनमें ई-बुक्स एवं ई-डॉक्यूमेंट्स का इस्तेमाल करने और डबल-साइड प्रिंटिंग को बढ़ावा देने के निर्देश भी शामिल रहे हैं।ध्यातव्य है कि चुनाव आयोग द्वारा दिशा-निर्देश जारी किए जाने के बाद ग्रीन इलेक्शन की अवधारणा को पंजाब में हुए चुनावों में भी आजमाया जा चुका है।

शुरुआती तौर पर रोपड़ में इस साझी मुहिम से 50 हजार से ज्यादा पौधे लगाए गए थे। इतना ही नहीं राजस्थान में भी उपचुनावों में भी ग्रीन इलेक्शन की संकल्पना को साकार करने का प्रयास है। यहां इको फ्रेंडली पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं। पोलिंग स्टेशनों कागज और बांस से बने उत्पादों का इस्तेमाल किया जाएगा। प्लास्टिक फ्री उत्पादों के उपयोग का यह प्रयास भी एक अहम बदलाव लाने वाला कदम है।राजस्थान में इस मुहिम के अंतर्गत पौधे लगाने और इको फ्रेंडली सेल्फी पॉइंट जैसी कोशिशें भी शामिल हैं। चिंतनीय है कि हालिया बरसों में दूषित होते हवा-पानी और खत्म होती हरियाली से पर्यावरण असंतुलन की गंभीर स्थितियां बन गई हैं। दुखद है कि राजधानी दिल्ली सहित देश के कई बड़े शहर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची का हिस्सा हैं।

नतीजतन, एक ओर बीमारियों का बढ़ता घेरा जीवन को मुश्किल में डाल रहा है तो दूसरी ओर देश का आर्थिक विकास भी बाधित हो रहा है। कहना गलत नहीं होगा कि इन हालातों में तो हर राजनीतिक दल, हर नागरिक के लिए पर्यावरण संरक्षण भी एक अहम चुनावी मुद्दा होना चाहिए। सुखद है कि पेड़ लगाने से जुड़ी जागरुकता और प्रदूषण फैलाने वाली चीजों से दूरी बनाना चुनाव प्रक्रिया का हिस्सा बन रहा है। पर्यावरण को बचाने लिए देश का आंगन हो या घर-परिवार का परिवेश, हर स्तर पर प्रयास जरूरी हैं। हमारी प्रत्येक गतिविधि का पर्यावरण रक्षा की सजगता से जुड़ना ही इस समस्या का हल निकाल सकता है। निस्संदेह, लोकतांत्रिक व्यवस्था वाले हमारे देश में चुनाव प्रक्रिया में पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विचार का शामिल होना बड़ा बदलाव लाने वाली मुहिम तो है ही।

(लेखिका वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

क्षमा करें और भूल जाएं

जीवन में हमें कई बार चुनौतियों और निराशाओं का सामना करना पड़ता है। जीवन में हमारा किसी न किसी ऐसी घटना से साक्षात्कार होता है, जो हमें पसंद नहीं होती या

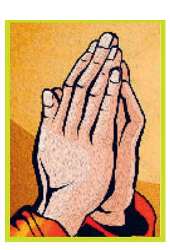

संकलित
दर्शन

जिसके कारण हमें दुख होता है। जैसे किसी व्यक्ति ने हमारा किसी तरह अनुचित किया हो, शब्दों से हमें भावनात्मक रूप से दुख पहुंचाया हो या शारीरिक कष्ट पहुंचाया हो। परिणाम यह होता है कि हम निराश, दुखी और क्रोधित हो जाते हैं। जब तक हम किसी को क्षमा नहीं करते, तब तक हमारे साथ क्या होता है? हम हमेशा उसी घटना के बारे में सोचते रहते हैं या किसी और से भी उन बातों को दोहराते रहते हैं। कुछ लोग जिनका स्वयं पर नियंत्रण नहीं होता, वे शारीरिक रूप से उस व्यक्ति को हानि पहुंचाते हैं या अपना क्रोध किसी और पर निकालते हैं। ऐसा होने पर हम अपने चारों ओर नकारात्मक वातावरण पैदा कर लेते हैं। अपने मन की शांति खो देते हैं। कुछ क्षणों में घटित हुई घटना के लिए हम अपने जीवन के तमाम घंटे इस बात में लगा देते हैं कि उसका बदला कैसे लें। यदि हम इसके बजाय क्षमा कर दें तो हम इस समय का शांतिपूर्वक सदुपयोग कर सकते हैं। हम अपना ध्यान उस ओर लगाएं, जो आध्यात्मिक रूप से मददगार हो। जैसे कि पिता-परमेश्वर को याद करना, ध्यान-अभ्यास करना, निष्काम सेवा करना और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करना। आध्यात्मिक मार्ग पर ध्यान-अभ्यास में सफलता अपने मन को स्थिर करके अंतर में ध्यान टिकाने पर निर्भर है।

श्रीकृष्ण ने अर्जुन को भ्रम से बचने की दी सलाह

महाभारत युद्ध की तैयारियां पूरी हो चुकी थीं। कुरुक्षेत्र में कौरव और पांडव पक्ष की सेनाएं आमने-सामने खड़ी थीं। संख्या और शक्ति के हिसाब से कौरवों की

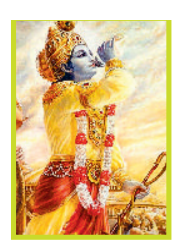

संकलित
प्रेरणा

सेना ज्यादा अच्छी दिख रही थी। जब अर्जुन ने कौरव पक्ष में अपने परिवार, कुटुंब के लोगों को देखा तो वे भ्रमित हो गए। अर्जुन ने अपने सारथी यानी श्रीकृष्ण से रथ को दोनों सेनाओं के बीच में ले जाने के लिए कहा। श्रीकृष्ण रथ लोग युद्ध मैदान के बीच में ले गए। वहां पहुंचकर अर्जुन ने भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य, कृपाचार्य जैसे यौद्धाओं को देखा। इन सभी को देखकर अर्जुन ने युद्ध करने का विचार ही छोड़ दिया और अपने धनुष-बाण नीचे रख दिए। अर्जुन ने श्रीकृष्ण से कहा कि मेरे कुटुंब के सभी लोग मेरे सामने खड़े हैं, मैं उनसे युद्ध नहीं कर सकता।श्रीकृष्ण समझ गए कि अर्जुन भ्रम में फंस गए हैं। उस समय श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया। भगवान ने समझाया कि जब लक्ष्य बड़ा हो तो सभी बातें चल सकती हैं, लेकिन भ्रम नहीं चल सकता है। तुम्हें अपने सारे भ्रम छोड़कर सिर्फ अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिए। जब हम अपने काम अधूरे मन और भ्रम के साथ करते हैं तो सफलता नहीं मिलती है। सफलता चाहते हैं तो सभी भ्रम दूर करते हुए, अपने काम पूरे मन से और एकाग्रता के साथ करना चाहिए।

अंतर्मन

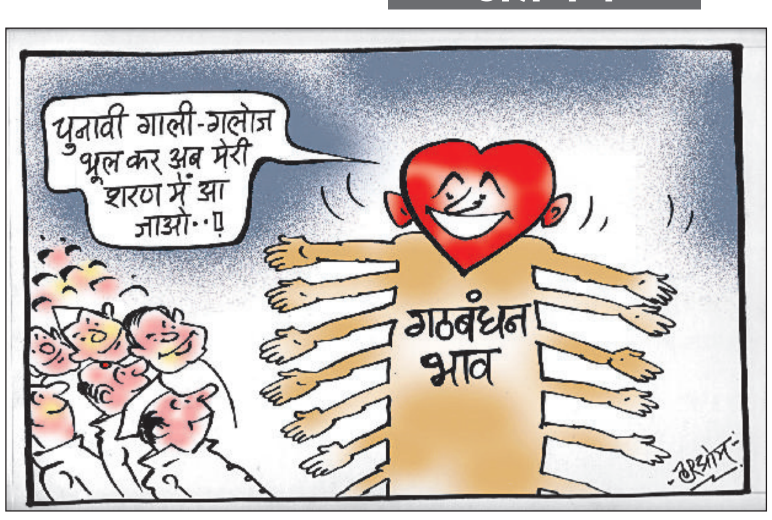

आज की पाती

सड़क हादसे कैसे रुकेंगे?

बीते सोमवार जालंधर में एक दिल दहलाने वाला सड़क हादसा हुआ। एक ओवरलोडिड ट्रक इस हादसे का कारण बना। इस हादसे में एक कार में सवार एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मृत्यु हो गई। कुछ घायल भी हुए। अगर ट्रक वाले ने लापरवाही नहीं बरती होती और ट्रैफिक पुलिस व प्रशासन ने ओवरलोड के लिए सतर्कता दिखाई होती तो शायद यह दुखद सड़क हादसा न होता। ओवरलोड और ओवरस्पीड हमेशा ही दुर्घटनाओं के कारण बनते हैं। कुछ समय पहले सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने देश में सड़क हादसों में जान गंवाने वाले लोगों का आंकड़ा जारी किया जो कि वर्ष 2022 का है। यह बहुत ही बड़ी चिंता का विषय है। इन आंकड़ों के अनुसार हमारे देश में लगभग 4 लाख से ऊपर सड़क दुर्घनाएं हुईं। इनमें एक लाख से ऊपर लोगों की मौत हुई और 4 लाख से ऊपर घायल हुए।

-सज्जन मेहता, अंबिकापुर

करंट अफेयर

भारत महिलाओं के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध : संरा रिपोर्ट

महिला सशक्तीकरण विषय पर यहां आयोजित संयुक्त राष्ट्र मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के दौरान जारी रिपोर्ट में कहा गया कि भारत के बजट में महिलाओं को लाभ पहुंचाने के लिए मजबूत प्रतिबद्धता दिखाई गई है लेकिन इस दिशा में चुनौतियां भी कम नहीं हैं। रिपोर्ट में विश्लेषण किया गया है कि 30 वर्ष पहले बीजिंग में अपनाए गए सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की तुलना में क्षेत्र के देशों की स्थिति क्या है। इसमें कहा गया कि भारत जैसे एशिया-प्रशांत देशों द्वारा लैंगिक रूप से समावेशी बजट को अपनाना महिलाओं और लड़कियों की चिह्नित आवश्यकताओं के वास्ते संसाधनों के कुशल आवंटन को सुनिश्चित करने के लिए उनकी

मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है, लेकिन इसमें चुनौतियां भी हैं। 'लैंगिक समानता और सशक्तीकरण के लिए नए रास्ते तैयार करना: बीजिंग + 30 समीक्षा पर एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय रिपोर्ट' में कहा गया, 'उदाहरण के लिए, भारत लैंगिक रूप से समावेशी बजट (जीआरबी) की सीमित प्रभावशीलता से जूझ रहा है, क्योंकि इसमें महिलाओं को लाभ पहुंचाने वाले प्रमुख कार्यक्रमों को शामिल नहीं किया गया है तथा लिंग-आधारित आंकड़ों का अभाव है।'

ऑफ बीट

50 हजार साल पहले से आग का इस्तेमाल किया जा रहा

2,50,000 साल पहले स्पेन में एक स्थान पर मनुष्यों के पूर्वजों या वनमानुष द्वारा आग के नियंत्रित इस्तेमाल के सबूत मिले हैं। यह यूरोप में आग

नियंत्रण के शुरुआती सबूतों से 50,000 साल पुरानी बात है। यह अध्ययन 'नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट्स' में प्रकाशित हुआ है। मनुष्यों के पूर्वजों तथा आग के अवशेषों का एक ही स्थान पर मिलना वाकई खास है। यूरोप के बाहर मनुष्यों द्वारा प्राकृतिक आग का इस्तेमाल करने के सबसे पुराने सबूत दक्षिण अफ्रीका में स्वार्टक्रान गुफा से मिलते हैं जहां 10 से 15 लाख वर्ष पहले पशुओं की सैकड़ों जली हुई हड्डियों के साथ वनमानुष के अवशेष पाये गये। मनुष्यों द्वारा जलाई आग के सबसे शुरुआती सबूतों से लगभग एक लाख साल आगे : इजराइल में 7,90,000 साल पुरानी ग्रेशर बेनोट याआकोव नामक एक खुली जगह है। इस स्थान पर मिले साक्ष्यों में जले हुए पौधे और पत्थर के जले हुए औजार शामिल हैं। इजराइल में क्वेसेम गुफा और ताबुन गुफा जैसे अन्य स्थानों पर ही आग जलाये जाने के ऐसे ही सबूत मिले हैं। यूरोप में आमतौर पर यह स्वीकार किया जाता है कि वनमानुष ने कम से कम 3,50,000 साल पहले आग का नियमित रूप से इस्तेमाल किया।

ट्रेंड

खटाखट मॉडल फेल

राहुल गांधी का खटाखट-खटाखट मॉडल औंधे मुंह गिर चुका है। हाईकोर्ट द्वारा दिल्ली में हिमाचल भवन की कुर्की का आदेश और घाटे में चल रहे हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के 18 होटलों पर ताला लगाने का आदेश दिखाता है कि यह सरकार हर मोर्चे पर फेल हो चुकी है।

-अनुराग ठाकुर, भाजपा सांसद

सिद्धांतों को खतरा

लोकतंत्र अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, बहुलवाद के प्रति सम्मान और असहमतिपूर्ण विचारों के लिए स्थान पर पनपता है। लेकिन क्या होता है जब इन सिद्धांतों को खतरा होता है?

-कैलाश सत्यार्थी, बाल अधिकार कार्यकर्ता

भारत का भूविज्ञान श्रेष्ठ

यह अनुमान लगाया गया है कि भारत में ऑस्ट्रेलिया, कनाडा जैसे अन्य खनिज समृद्ध देशों की तुलना में दुर्लभ पृथ्वी के अधिक भंडार हैं। मेरा मानना है कि भारत का भूविज्ञान दुनिया में सबसे अच्छा है।

-अनिल अग्रवाल, उद्यमी

महिलाएं सर्वगुण संपन्न

एक लड़की को इस धारणा के साथ बड़ा किया जाता है कि उसकी जगह रसोई में है... महिलाएं दुनिया को जीत सकती हैं। वह एक साथ कई काम कर सकती है। बच्चे, घर परिवार संभालन सकती है और कंपनी का नेतृत्व भी कर सकती है।

-अमिषा पटेल, अभिनेत्री

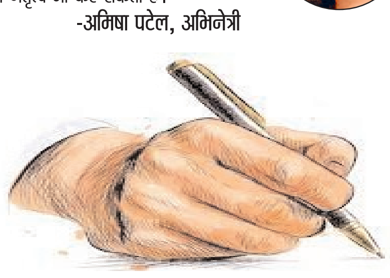

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

इस मौसम में अगर बढ़े जोड़ों का दर्द

मेरी उम्र 52 वर्ष है। मुझे अर्थराइटिस की समस्या है। ठंड के मौसम में जोड़ों और हड्डियों में होने वाला दर्द और भी बढ़ जाता है। ऐसा क्या करूं, जिससे मेरी तकलीफ ज्यादा नहीं बढ़े?

-गजेंद्र, महेंद्रगढ़

हड्डियों से जुड़ी समस्या सर्दी के मौसम में बढ़ जाती है। इसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप अपना एक्सपोजर कम से कम करें। जब कभी आपको घर से बाहर निकलना हो तो पूरी तरह से वुलेन कपड़े पहन कर ही निकलें। लेकिन दर्द अगर अधिक हो रहा है तो जरूर एक बार हड्डी रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लें। वे आपको कुछ पेन किलर लिख देंगे, दर्द होने पर वे दवाएं खा सकते हैं। लेकिन अपने मन से कोई भी दवा ना खाएं।

मेरी उम्र 25 वर्ष है। सर्दियों में मेरी स्किन बहुत ड्राई हो जाती है, एड़ियां और होंठ फटने लगते हैं। पेट्रोलियम जैली लगाने पर भी कुछ खास असर नहीं होता। कृपया बताएं कि मुझे क्या करना चाहिए?

-अद्वैत, रायपुर

सर्दी के मौसम में इस तरह की समस्याएं काफी लोगों को होती है, क्योंकि इस दौरान हमारी त्वचा रूखी हो जाती है। इससे बचने का सबसे प्रभावी उपाय यह है कि नारियल का तेल पूरे शरीर पर लगाएं। इसे लगाने का सबसे बेहतर तरीका यह है कि आप नारियल का तेल बाथरूम में रख लें और नहाने के बाद, जब त्वचा हल्की सी नम हो, उसी समय शरीर पर लगा लें, इससे ज्यादा अच्छा रिजल्ट मिलेगा। एड़ी और होंठों की स्किन के लिए आप एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लें, वे मेडिसिनल क्रीम बता देंगे, उसे अप्लाई कर सकते हैं। बाजार से अपने मन से कोई भी क्रीम खरीदकर लगाने से बचें।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। कुछ दिनों पहले मेरे हाथ में चाकू से कट लग गया था। मैंने अपना हाथ एंटिसेप्टिक लिक्विड से अच्छी तरह साफ कर लिया था, लेकिन टिटनेस का इंजेक्शन नहीं लगवाया था। क्या मुझे यह इंजेक्शन लगवाना चाहिए?

-हिमांशु, बिलासपुर

टिटनेस का इंजेक्शन चोट लगे उसके कुछ घंटे के अंदर ही लगवा लेना चाहिए। लेकिन आप बता रहे हैं कि आपको चोट काफी पहले लगी हुई है, बेहतर होगा कि एक बार आप जनरल फिजिशियन से संपर्क कर लें और अपनी चोट दिखा दें। वे चोट देखकर उसी के अनुसार आपको सलाह दे देंगे।

मेरी उम्र 46 वर्ष है। अकसर मेरे सिर के दाहिनी तरफ तेज दर्द होता रहता है। पेनकिलर खाने से आराम तो मिलता है, लेकिन कुछ समय बाद फिर से दर्द होना शुरू हो जाता है। कृपया मेरी इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन बताएं।

-विक्रम, महासमुंद

जिस तरह की आप समस्या बता रहे हैं, वह लक्षण माइग्रेन का भी हो सकता है। लेकिन सबसे पहले आप आंखों की जांच करा लें। अगर आपकी आंखें नॉर्मल हैं तो आप मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लें, वह आपको माइग्रेन की दवा बता देंगे। जिसे माइग्रेन होने पर खाते रहिए और आपको इस बात पर गौर करना होगा कि यह दर्द किन कारणों से होता है, उन कारणों से भी बचने की कोशिश करें।

मेरी उम्र 63 वर्ष है। कुछ देर खड़े होने पर मेरे पैरों में कंपन होने लगता है, जिसकी वजह से मैं ठीक से बैलेंस नहीं बना पाता हूं। मेरे साथ ऐसा क्यों हो रहा है?

-मनवीर, बेमेतरा

यह समस्या दो कारणों से हो सकती है। पहला, हड्डियों के कमजोर होने से और दूसरा, मस्तिष्क से जुड़ी कोई समस्या होने से। इसलिए बेहतर होगा कि आप एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लें। वे अच्छी तरह जांच करने के बाद इसका कारण बताएंगे और फिर जो संभव होगा उपचार करेंगे।

मेरी उम्र 38 वर्ष है, मुझे स्मोकिंग की लत है। मैं कई बार स्मोकिंग छोड़ने की कोशिश कर चुका हूं, लेकिन बार-बार इसकी तलब उठती रहती है। मैं क्या करूं, कृपया मार्गदर्शन करें।

-चेतन, भोपाल

इस तरह स्मोकिंग छोड़ना आसान नहीं है। इसके लिए आपको किसी डॉक्टर से संपर्क करना पड़ेगा। वे इसके लिए दवा बताएंगे। उस दवा को खाने से आपकी धीरे-धीरे करके स्मोकिंग की आदत छूटेगी और दवा भी धीरे-धीरे कम की जाएगी। * **प्रस्तुतिः रिचा पांडे**

मिड एज में ही ना हो जाएं बूढ़े!

हमारी शारीरिक उम्र भले ही कितनी हो लेकिन अगर हम मन से युवा रहें, उनकी तरह गतिविधियों में हिस्सा लें, ऊर्जावान बने रहें तो जैविक उम्र को कम रख सकते हैं। यानी कम उम्र में ही बूढ़े नहीं दिखेंगे। ऐसा करना बहुत कठिन भी नहीं है। इसके लिए आपको अपनी जीवनशैली में बस कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

हेल्थ एडवाइस

शिखर चंद जैन

कई लोग अधिक उम्र हो जाने के बाद भी ऊर्जावान और सक्रिय दिखाई देते हैं, जबकि मिड एज में ही कुछ लोग हर समय ढीले-ढाले और निराश दिखाई पड़ते हैं। आखिर ऐसा क्यों होता है, आपको पता होना चाहिए।

वैज्ञानिक भाषा में उम्र दो प्रकार की होती है। एक वास्तविक उम्र, जो जन्म से निर्धारित होती है और दूसरी जैविक उम्र, जो व्यक्ति के क्रियाकलापों और सक्रियता से निर्धारित होती है। एक रिसर्च में पता चला कि एक ही साल में पैदा हुए लोगों के शरीर की उम्र या जैविक उम्र बढ़ने में बड़ा अंतर हो सकता है। प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में आई इस रिपोर्ट में वजन, किडनी के काम करने के तरीके और मसूड़ों के स्वास्थ्य को परखा गया था।

जैविक-वास्तविक उम्र में अंतर

अंतरराष्ट्रीय शोध समूह ने न्यूजीलैंड के एक ही शहर के 1972-73 में पैदा हुए 954 लोगों पर अध्ययन किया। इस समूह के लोगों की उम्र जब 26, 32 और 38 साल थी। तब वैज्ञानिकों ने उम्र बढ़ने से जुड़े 18 अलग-अलग गुणों को परखा। अध्ययन से जानकारी सामने आई कि जब समूह के सदस्यों की उम्र 38 साल थी, तब उनमें से कुछ की जैविक उम्र 30 साल के करीब थी। वहीं कुछ ऐसे थे, जिनकी जैविक उम्र 60 साल के करीब थी। शोधकर्ताओं के अनुसार ऐसे लोग निराश नजर आ रहे थे। उनमें उत्साह की कमी दिखाई दे रही थी।

समय से पूर्व बुढ़ापे की वजह

समय से पूर्व बुढ़ापा कई कारणों से हो सकता है जैसे, अधिक तनाव लेना समय से पहले बुढ़ापा ला सकता है। एक ताजा रिसर्च के जरिए वैज्ञानिकों ने भी इस बात की पुष्टि की है। वैज्ञानिकों का मानना है कि क्रोमोसोम (गुणसूत्र) के सिरों पर मौजूद टेलोमीयर्स पर इस तनाव का जबरदस्त असर पड़ता है, जिससे तमाम बीमारियां जन्म लेती हैं। क्रोमोसोम शरीर की प्रत्येक कोशिका में होता है। इन धागों के सिरों पर एक टोपी जैसी संरचना होती है, जिसे टेलोमीयर कहते हैं। यह क्रोमोसोम को टूटने-फूटने से बचाती है। लेकिन वक्त के साथ टेलोमीयर छोटे होते जाते हैं और हमें पार्किंसंस, डायबिटीज, कैंसर और दिल की बीमारियों जैसे रोग अपनी गिरफ्त में लेने लगते हैं। अपने परिवार की चिंता के कारण ऐसे लोग खुद पर भी ध्यान नहीं दे पाते हैं। वे व्यायाम वगैरह भी समय पर नहीं करते हैं। खुद के लिए मनोरंजन के दो पल भी निकालना मुश्किल होता है। इस प्रकार धीरे-धीरे उनका उत्साह कम पड़ता जाता है और उनकी जैविक उम्र धीरे-धीरे बढ़ती जाती है। नशा करने के कारण भी लोगों की उम्र वास्तविक उम्र से अधिक हो जाती है।

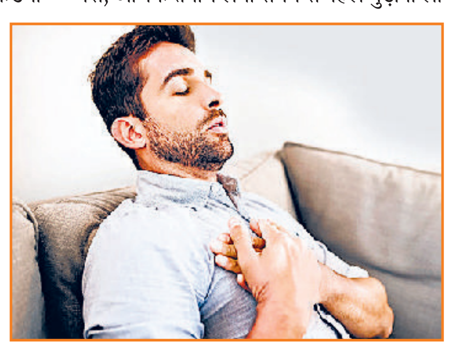

कैसे रखें उम्र पर नियंत्रण

अब, जब आपको पता चल गया है कि समय पूर्व व्यक्ति बूढ़ा क्यों नजर आने लगता है तो यहां आपको यह भी बता रहे हैं कि इसे कैसे रोका जा सकता है?

कम खाएंः जापान के ओकिनावा को दुनिया में सबसे ज्यादा जीने वालों का घर माना जाता है। एक सर्वे में पाया गया कि 100 वर्ष से ज्यादा जीने वाले सभी लोग जीवनभर भूख से कुछ कम ही आहार लेते रहे हैं।

दिमाग सक्रिय रखेंः 80 साल के बुजुर्गों पर किए गए एक शोध में पता चला है कि जो लोग इस उम्र में भी चुस्त-दुरुस्त व्यवहार करते हैं, वे दिमागी रूप से खुद को सक्रिय रखते हैं। ऐसे लोग उम्र के नवें दशक में भी मनोवैज्ञानिक परीक्षणों में 50 वर्ष के लोगों जैसा ही प्रदर्शन करते है। अर्थात उनकी जैविक उम्र 50 वर्ष जितनी ही होती है। अतः उम्र के प्रभाव से अपने मस्तिष्क को बचाने के लिए आप बहुत कुछ कर सकते हैं। कोई विदेशी भाषा सीखें। गिटार, सितार या बांसुरी बजाना शुरू कर दें। नए शौक सीखने में समय दें। यहां तक कि नई गलियों और अनजाने रास्तों में आ-जाकर रास्तों को याद करना भी आपके दिमाग को कमजोर होने से बचा सकता है। यानी दिमाग को सक्रिय बनाए रखें।

योग-शाकाहार अपनाएंः योगाभ्यास भी लोगों को जवां बनाए रखता है। मेडिटेशन और प्राणायाम से लोग तनाव को काफी हद तक कम कर सकते हैं। यह दिमाग से नकारात्मक विचारों को खत्म करके सकारात्मकता का संचार करता है। इसे अपनाने से लोगों में उत्साह का संचार होता है, साथ ही योगासनों से शरीर भी स्वस्थ रहता है। फलों और हरी सब्जियों के सेवन से भी उम्र को हराने में सहायता मिलती है। इनमें मौजूद एंटी ऑक्सीडेंट्स इस काम में मदद करते हैं। ये दिमाग को विशेष रूप से स्वस्थ रखने में भूमिका निभाते हैं। *

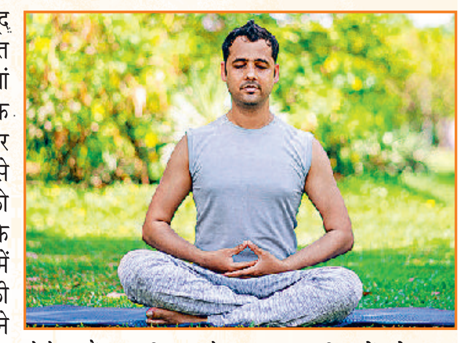

हेल्थ टिप्स

कई बीमारियों को दूर रखने में कारगर पालक

सर्दियों के मौसम में सब्जी बाजार में बहुतायत से बिकने वाला पालक मानव शरीर में होने वाली कई बीमारियों को दूर रखने में काफी कारगर माना जाता है। पालक एक ऐसी पत्तेदार सब्जी है, जो ना सिर्फ टेस्टी होती है बल्कि सेहत के लिए काफी फायदेमंद भी होती है। पालक को विटामिंस, मिनरल्स और फाइबर का एक कीमती सोर्स माना जाता है। यह सब्जी शरीर के फिजिकल हेल्थ के साथ-साथ मेंटल हेल्थ के लिए भी बेहद जरूरी माना जाता है।

नई दिल्ली स्थित राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल की डायटीशियन **अंजलि गुप्ता** कहती हैं कि जो लोग नियमित रूप से पालक साग का सेवन करते हैं, उन्हें डायबिटीज और हार्ट डिजीज होने की संभावना काफी कम रहती है। पालक का सेवन ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में मदद करता है क्योंकि इसमें अल्फा-लिपोइक एसिड पाया जाता है, जो इंसुलिन के सिक्रीशन को बढ़ाता है। इसी कारण पालक साग का सेवन डायबिटीज के मरीजों के लिए लाभदायक माना जाता है।

पालक में विटामिन के और कैल्शियम की प्रचुर मात्रा पाई जाती है, जो हड्डियों को मजबूत करती है और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी हड्डियों की बीमारी को दूर रखने में मददगार साबित होती है। पालक में फाइबर, आयरन और विटामिंस की भरपूर मात्रा पाई जाती है, जिससे शरीर को पर्याप्त मात्रा में ऊर्जा मिलती है। ऊर्जा मिलने से शरीर को थकावट महसूस नहीं होती और शरीर मजबूत बना रहता है। पालक में पाया जाने वाला फाइबर आंतों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। आंतों के स्वस्थ रहने से कब्ज, बदहजमी जैसी बीमारी पास नहीं आती और पाचन क्रिया सही बनी रहती है। पालक में मौजूद पोटैशियम, दिल को स्वस्थ रखने में मदद करता है। दिल स्वस्थ रहने से हार्ट अटैक जैसी बीमारी का खतरा नहीं रहता। पालक में मौजूद फोलेट डिप्रेशन और स्ट्रेस को कम करने में कारगर रहता है। इसके अलावा पालक साग में एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं, जो शरीर में पाए जाने वाले कीटाणुओं को प्रभावी तरीके से समाप्त कर देते हैं और विषाक्त पदार्थ को शरीर से बाहर निकाल देते हैं। पालक में कैलोरी की मात्रा कम होती है, जिससे इसका सेवन करने वाले लोग अपने वजन को भी नियंत्रित रख सकते हैं। *

प्रस्तुतिः अजेश कुमार

मेडिकल तकनीक

रेखा देशराज

रेडियोग्राफी से संभव सटीक डायग्नोसिस-इफेक्टिव ट्रीटमेंट

अगर कहा जाए कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान को प्रभावी और सटीक, रेडियोग्राफी ने बनाया है, तो यह गलत नहीं होगा। रेडियोग्राफी के जरिए होने वाली डायग्नोस्टिक प्रक्रिया ने इलाज को सटीक और इफेक्टिव बना दिया है। अगर कंप्यूटेड टोमोग्राफी (सीटी), मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई), जैसी डायग्नोस्टिक टेक्नीक का आविष्कार नहीं हुआ होता तो शायद आज आधुनिक चिकित्सा विज्ञान इतना विकसित नहीं होता।

कैसे करता है कामः रेडियोग्राफी, मानव शरीर में मौजूद टिश्यूज, अंगों, हड्डियों और वेसेल्स की इमेज प्रदान करने के लिए रेडिएशन का उपयोग करने की वैज्ञानिक तकनीक है। रेडियोलॉजिस्ट, जिन्हें इन इमेजेज को एनालाइज करने में विशेष एक्सपर्टीज हासिल होती है, वे ट्रीटमेंट में सबसे कारगर सहायक होते हैं। उनकी एनालिसिस पर ही किसी मरीज का सटीक ट्रीटमेंट निर्भर होता है। लेकिन इसके लिए जरूरी यह भी है कि एक्सरे किसी एक्सपर्ट व्यक्ति द्वारा किया गया हो और उसे एक एक्सपर्ट रेडियोग्राफर द्वारा परखा गया हो। एक्सरे, सीटी स्कैन, एमआरआई और अल्ट्रासाउंड जैसी रेडियोलॉजिकल तकनीकें हमारे बीमार शरीर के अंदर के हाल को बिल्कुल साफ सामने पेश कर देती हैं।

पेशेंट को नहीं होती तकलीफः सबसे खास बात यह है कि रेडियोग्राफी तकनीक पेनलेस होती है। मतलब इसका इस्तेमाल करते वक्त सर्जरी जैसी प्रक्रिया नहीं करनी पड़ती है। यह मरीज को कम से कम रिस्क में उसके बारे में ज्यादा से ज्यादा बताती है। सीटी स्कैन और एमआरआई जैसी तकनीकों के चलते शरीर के अंदरूनी हिस्सों की बड़ी सहजता से थ्री डी तस्वीरें ली जा सकती हैं, जिनसे किसी भी रोग और उसके लक्षणों को पहचानना बहुत आसान हो जाता है। इसके साइड इफेक्ट्स ना के बराबर होते हैं। आज के आधुनिक मशीनों के चलते विकिरण की मात्रा को भी काफी कम कर दिया गया है। इस तकनीक के बाद थ्री डी इमेज के जरिए हर तरह के फ्रैक्चर को अच्छी तरह से देखा और समझा जा सकता है। रेडियोग्राफी का उपयोग इलाज की प्रगति पर नजर रखने के लिए भी किया जाता है। *

डाइट सजेशन

संध्या सिंह

आमतौर पर हमारे घरों में सुबह के नाश्ते में जो कुछ खाया जाता है, उनमें से कई चीजें हेल्थ के लिए हार्मफुल होती हैं। इनके बारे में आपको पता होना चाहिए। साथ ही नाश्ते के लिए बेहतर ऑप्शंस के बारे में भी जानना चाहिए।

हेल्थ के लिए हार्मफुल ये पॉपुलर ब्रेकफास्ट

हम सब जानते हैं कि नाश्ता हमारी डेली डाइट के लिए ना सिर्फ जरूरी होता है बल्कि इसका पौष्टिक होना भी बहुत जरूरी होता है। पौष्टिक नाश्ता करने से वजन बढ़ता नहीं है, मोटापे की आशंका कम होती है। इस तरह देखें तो हमारे दिन भर के फूड में नाश्ता बहुत महत्वपूर्ण होता है। लेकिन आमतौर पर हम लोग नाश्ते के साथ गलती यह करते हैं कि हम पौष्टिक नाश्ता चुनने की बजाय स्वादिष्ट और हार्मफुल नाश्ता करते हैं। इस बारे में जानना जरूरी है।

परांठेः कम से कम आधे से ज्यादा भारत में सुबह नाश्ते के तौर पर तले हुए परांठों के खाने का चलन है। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के एक बड़े हिस्से में तो परांठे के साथ चाय पीने का भी जबर्दस्त चलन है, जो परांठे को और भी ज्यादा नुकसानदायक बना देता है। क्योंकि परांठे सैचुरेटिड फैट और चाय में मिल्क फैट होने के कारण इससे कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है। साथ चाय परांठा का नाश्ता करने से पेट में एसिड बनता है। इससे लिवर को नुकसान होता है। शरीर में आयरन की कमी हो जाती है। सुबह परांठे का नाश्ता करने के कारण पोषक तत्वों का शरीर भरपूर अवशोषण नहीं कर पाता। इसलिए बेहतर तो यही है कि अगर आप अपनी सेहत को लेकर फिक्रमंद हैं तो परांठे को नाश्ते के रूप में खाने का मोह छोड़ दें। लेकिन अगर परांठा आपकी मजबूरी हो तो इसे पौष्टिक बनाकर खाएं यानी इसमें कई तरह की हरी सब्जियां, भरकर भरवां पराठा खाएं, तो ये कम नुकसानदायक होते हैं। साथ ही परांठों को तले नहीं बल्कि बहुत कम देसी घी या मक्खन में परांठा बनाएं।

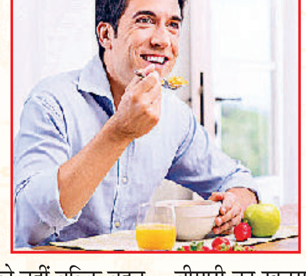

ब्रेड और बेकरी आइटमः तले परांठों की ही तरह जो लोग व्हाइट ब्रेड या उसके विकल्प के रूप में इन दिनों आ रही ब्राउन ब्रेड से बनने वाले तरह-तरह के व्यंजन नाश्ते में लेते हैं, वे भी अपनी सेहत के साथ बहुत बड़ा खिलवाड़ करते हैं। किसी भी तरह की ब्रेड को अगर हम नियमित रूप से नाश्ते के तौर पर खाते हैं तो ग्लूटेन इंटॉलरेंस से पीड़ित हो सकते हैं, जिससे जोड़ों में भयानक दर्द की समस्या हो सकती है। नियमित ब्रेड खाने से कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स का लेवल बढ़ जाता है। नाश्ते में नियमित ब्रेड खाने से डायबिटीज, गुर्दे की पथरी और दिल की बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। चूंकि इसमें रिफाइंड मैदा, एडिटिव्स आदि होते हैं। इसलिए यह सेहत के लिए खतरनाक है। इससे मोटापा और मधुमेह दोनों के बढ़ने की जबर्दस्त आशंका रहती है।

पैकेज्ड फूड और सिंथेटिक जूसः नाश्ते के रूप में पैकेज्ड फूड और सिंथेटिक जूस लेना भी सही नहीं है। पैकेज्ड फूड में बहुत ज्यादा चीनी, नमक और फैट होता है। इनमें मौजूद इमल्सीफायर कंपाउंड दिल की सेहत के लिए खतरनाक होता है। इससे कार्डियोवेस्कुलर बीमारियां हो सकती हैं। पैकेज्ड फूड डायबिटीज, मोटापा और पैनक्रिएटिक कैंसर की आशंकाएं खड़ी करता है। इससे प्रजनन संबंधी बीमारियां भी होती हैं। सुबह के नाश्ते में जूस बहुत फायदेमंद होते हैं, लेकिन वह जूस ताजे फलों से निकाला गया होना चाहिए, क्योंकि यही हमें फायदा पहुंचाता है। *

नाश्ते के बेहतर ऑप्शंस

अब सवाल है कि फिर नाश्ते में क्या खाएं? सेहतमंद नाश्ते में शामिल है- पोहा, उपमा, मल्टी दाल, खिचड़ी, ताजे फल, दही, उबला अंडा, ताजे फलों का जूस, पपीता, घर का बना पनीर, रोटी सब्जी, भिगोए हुए चने, स्प्राउट्स, हर्बल टी, अंडे का आमलेट, कम तले भरवां परांठे, ढेर सारे मौसमी फल, ये सब सुबह के लिए बेहतर पौष्टिक नाश्ते हैं।

अवेयरनेस

अंजू जैन

पक्षियों (खासकर कबूतर) के बीच ज्यादा समय गुजारने, सीलन या बंद घरों में रहने, प्रदूषण युक्त वातावरण में सांस लेने से बर्ड ब्रीडर्स लंग्स होने की आशंका बढ़ जाती है। यह समस्या कैसे होती है, इसके क्या लक्षण हैं और इससे कैसे बचाव संभव है, आपको जरूर पता होना चाहिए।

बर्ड ब्रीडर्स लंग्स सावधानी है जरूरी

राजेश की चेस्ट एक्स-रे रिपोर्ट और ब्लड टेस्ट की रिपोर्ट्स देखकर उनके फैमिली डॉक्टर भी चकित थे। उन्होंने जब बताया कि उन्हें फेफड़ों की समस्या हाइपरसेंसिटिविटी न्यूमोनाइटिस की शिकायत है तो घर में सभी दंग रह गए। डॉक्टर ने बताया राजेश को यह समस्या कबूतरों के बीच ज्यादा समय बिताने की वजह से ही हुई है। इसे बर्ड ब्रीडर्स लंग्स डिजीज कहते हैं।

बर्ड ब्रीडर्स लंग्स डिजीजः हाइपरसेंसिटिविटी न्यूमोनाइटिस या बर्ड ब्रीडर्स लंग्स डिजीज आई एल डी यानी इंटरस्टिशियल लंग्स डिजीज का सबसे आम प्रकार है। हमारे देश में फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित 50 फीसदी लोगों को इसी प्रकार की समस्या होती है। इन दिनों यह बीमारी महानगरों में बहुत ज्यादा देखी जा रही है, जहां कबूतर घनी आबादी में मनुष्यों के बीच बड़ी संख्या में मौजूद रहते हैं और अपना प्रदूषण फैलाते हैं। कबूतरों के पंख और उनकी बीट से निकलने वाले एलर्जिक रिएक्शन के अलावा शहरों में फ्लैट या छोटे-छोटे कमरों में सीलन, धूप की नामौजूदगी, भारी मात्रा में निर्माण कार्य होने से होने वाला प्रदूषण भी इसकी बड़ी वजह है।

रोग के सामान्य लक्षणः जब कोई व्यक्ति अकसर छाती में भारीपन, लगातार खांसी, जुकाम, जकड़न और सांस लेने में दिक्कत महसूस करने लगे तो तुरंत सचेत हो जाना चाहिए और डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए। अकसर पक्षियों को पालने या उन्हें दाने खिलाने का शौक रखने वाले, पोल्ट्री फार्म पर काम करने वाले कर्मचारी, निर्माण कार्य में लगे मजदूर या घुटनशील वातावरण में रहने वाले लोग इसके शिकार हो जाते हैं।

कैसे होती है बीमारीः एचपी तरह-तरह के एलर्जी कारक तत्वों को श्वांस के माध्यम से शरीर के भीतर लेने से होने वाला इम्यून सिस्टम का डिसऑर्डर है। पक्षियों की बीट, पंख, डस्ट आदि उड़कर हमारे श्वांस के माध्यम से फेफड़ों तक पहुंच जाते हैं। इन ड्रॉपिंग्स में एस्परगिलस नामक फंगी होते हैं, जिन्हें सांसों से भीतर लेने पर हिस्टोप्लास्मोसिस हो सकता है। यह बर्ड ब्रीडर्स लंग्स का सबब बन जाता है। ये ड्रॉपिंग इम्यून सिस्टम को ट्रिगर करते हैं, जिससे शॉर्ट टर्म या लॉन्ग टर्म इन्फ्लेमेशन हो सकता है। नतीजतन, फेफड़ों के एक हिस्से में ऑक्सीजन का फ्लो कम हो जाता है। फेफड़ों का यह हिस्सा इंटरस्टिटीयम कहलाता है। यह एक कनेक्टिव टिशु है, जो ब्लड वेसल्स और एयर सैक्स को जोड़ता है।

इलाज और रोकथामः इसका इलाज बेहद मुश्किल है। शुरुआती चरण में 6 महीनों के भीतर इसकी जानकारी मिल जाए तो इसे ठीक किया जा सकता है। लेकिन शुरुआती दौर में इसे कभी सामान्य सर्दी जुकाम तो कभी श्वसन की सामान्य समस्या समझ लिया जाता है। इससे बचाव और रोकथाम ही सबसे बेहतर तरीका है। कबूतरों या अन्य पक्षियों के आस-पास ज्यादा ना रहना, उन्हें दाने खिलाने के दौरान मास्क पहनना आदि फायदेमंद होता है। घर में कबूतरों का आवागमन रोकना भी जरूरी है। *

(श्री जैन हॉस्पिटल रिसर्च सेंटर, कोलकाता में चेस्ट स्पेशलिस्ट और पल्मोनोलॉजिस्ट डॉक्टर राहुल चटर्जी से बातचीत पर आधारित)

पश्चिम बंगाल की खूबसूरती को बढ़ाती हैं ये समुद्र तटीय जगहें

पश्चिम बंगाल देश का एक प्रमुख और बेहद खूबसूरत राज्य है। यह भारत का चौथा और सबसे ज्यादा आबादी वाला राज्य है। क्षेत्रफल के हिसाब से यह देश का 13वां सबसे बड़ा राज्य माना जाता है। यह देश का एक ऐसा राज्य है, जो हिमालय पर्वत से लेकर बंगाल की खाड़ी तक फैला है। इसलिए यहां पर हर साल लाखों की संख्या में देसी और विदेशी पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। पश्चिम बंगाल में सैमसिंग, सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग, संदक्फू और कलिम्पोंग जैसे हिल स्टेशन्स के बारे में तो हर कोई जानता है। लेकिन पश्चिम बंगाल में मौजूद खूबसूरत समुद्र तटीय जगहों के बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पश्चिम बंगाल में स्थित समुद्र तटीय जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जो राज्य की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती है। ऐसे में आप भी इन जगहों पर घूमने के लिए पहुंच सकते हैं।

यूपी को देश का खाद्य गोदाम बनाएंगे योगी आदित्यनाथ

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी पार्टनरशिप कान्क्लेव में कृषि के क्षेत्र किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों का ब्योरा और भविष्य का रोडमैप प्रस्तुत किया। योगी ने कहा कि यूपी अपार संभावनाओं वाला राज्य है। यह खाद्यान्न सरप्लस प्रदेश है और इसकी पहचान खाद्य बास्केट के रूप में है। अब हम तेजी से किसानों को तकनीकी से जोड़कर कृषि उत्पादन में तीन से चार गुणा तक बढ़ोतरी करेंगे और यूपी को देश का खाद्य वेयर हाउस (गोदाम) बनाएंगे।

होटल ताज में बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन व विश्व बैंक द्वारा गुरुवार को आयोजित कान्क्लेव में योगी ने आंकड़े पेश करते हुए कहा कि देश में कुल कृषि योग्य भूमि में से 11 प्रतिशत जमीन यूपी में है जबकि कुल आबादी का 17 प्रतिशत हिस्सा यहां निवास करता है। फिर भी हम देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन का 20 प्रतिशत पैदा करते हैं। एक लाख किसानों को सोलर पैनल उपलब्ध कराकर सिंचाई व बिजली की समस्या दूर की है। उन्होंने कहा कि जब तक किसान नई तकनीक नहीं अपनाएंगे तब तक कृषि क्षेत्र में अपेक्षित वृद्धि नहीं होगी। 89 कृषि विज्ञान केंद्रों व छह विश्वविद्यालय किसानों को नई तकनीकी का प्रयोग करने को प्रेरित कर रहे हैं। वहीं कृषि विज्ञान केंद्रों व सेंटर आफ एक्सीलेंस पर नवाचार व नई टेक्नोलाजी का प्रदर्शन कर किसानों को इसे अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कम पानी और केमिकल से मुक्त जैविक खेती पर जोर देना होगा। योगी ने कहा कि केन-बेतवा लिंक परियोजना से बुंदेलखंड और बाण सागर परियोजना से विंध्य क्षेत्र में सिंचाई की समस्या दूर हुई है। महोबा में अर्जुन सहायक परियोजना से किसानों की आय बढ़ी है। वर्ष 2021 तक यहां प्रति एकड़ किसान पांच हजार रुपये कमाता था लेकिन अब 50 हजार रुपये कमा रहा है।

मुख्यमंत्री ने डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) का प्रयोग कर खेती करने वाले पांच उन्नत किसानों को सम्मानित भी किया। इसमें ड्रोन दीदी के नाम से मशहूर अयोध्या की शवीना खातून, बाराबंकी के राम सांवले शुक्ला, सीतापुर के फहद फारूकी मोहम्मद, मीरजापुर के संजय कुमार मिश्रा और सुलतानपुर के संजय पांडेय शामिल हैं। वहीं कीनिया और उत्तर प्रदेश के बीच कृषि के क्षेत्र में साझा विकास के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) भी किया गया। कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, उद्यान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह और मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

नव कृषि नेटवर्क व कार्बन किसान कनेक्ट का शुभारंभ

मुख्यमंत्री योगी ने बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन की नई पहले नव कृषि नेटवर्क और कार्बन किसान कनेक्ट का शुभारंभ किया। फाउंडेशन के निदेशक कृषि विकास मार्टियन वान निउवकूप ने बताया कि नव कृषि नेटवर्क की मदद से 30 लाख किसानों तक नवनीतम कृषि टेक्नोलाजी पहुचाने का कार्य किया जाएगा। कार्बन किसान कनेक्ट के माध्यम से 10 लाख किसानों का क्षमता वर्धन किया जाएगा। ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन कम करने और मृदा स्वास्थ्य बेहतर करने पर जोर दिया जाएगा।

बिहार में बिछेगा सड़कों का जाल

2029 तक होंगे अमेरिका जैसे हाई-वे : नितिन गडकरी

एजेंसी

नई दिल्ली, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को दावा किया कि 2029 तक, जब भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए केंद्र में सत्ता में 15 साल पूरे करेगा, बिहार का राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क संयुक्त राज्य अमेरिका के नेटवर्क को टक्कर देगा। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री गडकरी ने बोधगया में लगातार कार्यक्रमों में बोलते हुए यह बयान दिया। मंत्री ने कहा कि बिहार में सड़क संरचना में तेजी से प्रगति देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि मैं वादा करता हूं कि मौजूदा पांच साल के कार्यकाल के बाद, जब हम सत्ता में 15 साल पूरे करेंगे, तो बिहार का नेटवर्क अमेरिका के बराबर होगा। उन्होंने आगे कहा कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य के सड़क नेटवर्क में काफी सुधार देखा गया है। उन्होंने कहा, बिहार के सड़क नेटवर्क में पिछले कुछ वर्षों में जबरदस्त सुधार देखा गया है और एनडीए सरकार आगे विकास के लिए काम करना जारी रखेगी। उन्होंने 3,700 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। गडकरी ने जोर दिया कि बिहार और भारत की सांस्कृतिक विरासत का केंद्र बोधगया, आज नई परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के साथ त्वरित विकास के लिए तैयार है।

गडकरी ने एक्स पर लिखा कि आज लोकार्पित हुए हसनपुर से बख्तियारपुर मार्ग चौड़ीकरण से नालंदा और पटना जिलों को लाभ होगा। साथ ही यह मार्ग झारखंड राज्य से बिहार को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। यह परियोजना यातायात और माल ढुलाई को आसान करेगी और व्यापार तथा उद्योगों को भी प्रोत्साहित करेगी। इन सभी परियोजनाओं का लाभ क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण साबित होगा। बोधगया और राजगीर जैसे महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल बेहतर कनेक्टिविटी से जुड़ जाएंगे। इस कार्यक्रम के दौरान आज अन्य नई परियोजनाओं की घोषणा की गई। 5100 करोड़ रुपए की लागत से 90 किमी लंबाई के मोकामा से मुंगेर मार्ग का चौड़ीकरण जो धार्मिक स्थल अशोकधाम और बड़हिया स्पर की घोषणा की। पश्चिम चंपारण में बेतिया के पास 2500 करोड़ रुपए की लागत से गंडक नदी पर 11 किमी 4-लेन ब्रीज तथा 19 किमी एप्रोच रोड की घोषणा की। बिहार में राष्ट्रीय राजमार्ग पर 1250 करोड़ रुपए की लागत से 11 रेल ओवर ब्रिज और 9 शहरों में आरओबी की घोषणा की। पटना को ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग 139 पर 1000 करोड़ रुपए की लागत से 9 किमी लंबाई के अनिसाबाद से एम्स एलिवेटेड रोड की घोषणा की।

मौसम

अधिकतम तापमान 33.c

न्यूनतम तापमान 24.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

संसेक्स 81,634.72

निफ्टी 25,013.85

संक्षिप्त समाचार

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अमेरिकी समकक्ष से मिले

जेट इंजन पर बढ़ेगी बात

एजेंसी

नई दिल्ली, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके अमेरिकी समकक्ष लॉयड जे ऑस्टिन ने लाओस के वियनतियाने में मुलाकात की और परिचालन समन्वय, सूचना-साझाकरण और औद्योगिक सहयोग और नवाचार में वृद्धि पर जोर देते हुए भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी में प्रभावशाली प्रगति की सराहना की। रक्षा मंत्रालय ने न्यू में जारी एक बयान में कहा कि दोनों पक्षों ने अमेरिका-भारत रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप के तहत की गई उल्लेखनीय प्रगति को मान्यता दी, जिसमें जेट इंजन, युद्ध सामग्री और ग्राउंड मोबिलिटी सिस्टम के लिए प्राथमिकता वाले सह-उत्पादन व्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए चल रहा सहयोग शामिल है। सिंह और ऑस्टिन ने 11वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम)-प्लस से इतर बातचीत की। पिछले साल अपनाया गया रोडमैप, हवाई युद्ध और भूमि गतिशीलता प्रणाली, खुफिया, निगरानी और टोही, युद्ध सामग्री और पानी के नीचे के क्षेत्र सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तेजी से प्रौद्योगिकी सहयोग और सह-उत्पादन करना चाहता है। दोनों नेताओं ने आखिरी बार अगस्त में अमेरिका में मुलाकात की थी और द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने के लिए व्यापक बातचीत की थी। इस बातचीत में रक्षा सहयोग, औद्योगिक सहयोग, क्षेत्रीय सुरक्षा, भारत-प्रशांत क्षेत्र और अन्य मुद्दों पर प्रकाश डाला गया था। भारत और अमेरिका ने तब रक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए अप्रत्याशित आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों को हल करने के लिए रक्षा वस्तुओं और सेवाओं की पारस्परिक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आपूर्ति व्यवस्था की सुरक्षा (एसओएसए) आपसी हित के मामलों पर सहयोग, समझ, अंतरसंचालनीयता और जानकारी साझा करने को बढ़ाने के लिए संपर्क अधिकारियों की नियुक्ति से संबंधित दो प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे।

राशन कार्ड अनुचित तरीके से निरस्त किया गया तो अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

सीएम सिद्धारमैया ने दी चेतावनी

एजेंसी

नई दिल्ली, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने खाद्य विभाग के अधिकारियों को गरीब परिवारों के राशन कार्ड रद्द नहीं करने का निर्देश दिया। यह आदेश उन खबरों से जुड़े विवाद के बाद आया है कि 22.6 लाख से अधिक गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) कार्डधारक अपात्र पाए गए थे। कर्नाटक सरकार ने अगस्त 2024 में बीपीएल कार्डधारकों का एक सर्वेक्षण किया था, जिसमें 22.63 लाख व्यक्तियों को बीपीएल स्थिति के लिए अयोग्य के रूप में पहचाना गया था। सरकार ने शुरू में इन कार्डों को रद्द करने पर विचार किया था, जिससे कई परिवारों में डर पैदा हो गया था जो कल्याणकारी योजनाओं के तहत मिलने वाले लाभों पर निर्भर हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान जारी कर स्पष्ट किया कि सरकारी कर्मचारियों और आयकर दाताओं को छोड़कर किसी भी परिवार का राशन कार्ड रद्द नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे चेतावनी दी कि यदि कोई भी राशन कार्ड अनुचित तरीके से निरस्त किया गया तो खाद्य विभाग के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बयान में कहा अगर गरीब परिवारों के राशन कार्ड बिना कारण के रद्द किए जाते हैं, तो उन्हें तुरंत बहाल किया जाना चाहिए। विवाद बीपीएल

खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई मोटरसाइकिल, तीन युवकों की मौत

एजेंसी

बिजनौर, उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में सड़क पर खडी.ट्रैक्टर-ट्रॉली से मोटरसाइकिल टकरा गई जिससे मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक धर्म सिंह मार्छाल ने बृहस्पतिवार को बताया कि बुधवार रात हल्दौर-नहटौर मार्ग पर डींगरपुर गांव के पास हल्दौर की ओर से आ रही मोटरसाइकिल सड़क पर खराब खडी. ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराई। उन्होंने बताया कि हादसे में मोटरसाइकिल सवार रविन्द्र (24), दीपक (23) और ऋतिक (21) गंभीर रूप से घायल हो गये। उन्होंने बताया कि तीनों को अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मार्छाल ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

तुरंत अरेस्ट हों अडानी जी, राहुल गांधी का दावा- 100% इस व्यक्ति को बचा रहे हैं प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि गौतम अडानी को तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए और उनके संरक्षक माधबी पुरी बुच की जांच की जानी चाहिए। राहुल ने प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि यह अब अमेरिका में बिल्कुल स्पष्ट और स्थापित हो गया है कि अडानी ने भारतीय कानून और अमेरिकी कानून दोनों को तोड़ा है। उन्हें अमेरिका में दोषी ठहराया गया है। मुझे आश्चर्य हो रहा है कि मिस्टर अडानी इस देश में एक आजाद आदमी के इर्द-गिर्द क्यों घूम रहे हैं। मुख्यमंत्रियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि अडानी ने जाहिरा तौर पर 2000 करोड़ रुपये का घोटाला किया है और शायद कई अन्य घोटाले भी किए हैं, लेकिन वह बेदाग घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम इसे बार-बार उठाते रहे हैं। यह उस बात की पुष्टि है जो हम कह रहे हैं, प्रधानमंत्री अडानी की रक्षा कर रहे हैं और प्रधानमंत्री अडानी के साथ भ्रष्टाचार में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हम इस मुद्दे को उठा रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं इस मुद्दे को उठाऊं। पीएम मोदी 100% इस आदमी की रक्षा कर रहे हैं। इस आदमी ने भ्रष्टाचार के जरिए भारत की संपत्ति हासिल की है।'

उन्होंने कहा कि वह भाजपा को समर्थन देते हैं, यह स्थापित है। हम इसे दोहराएंगे। जेपीसी हमारी मांग है लेकिन हम चाहते हैं कि अडानी को गिरफ्तार किया जाए। लेकिन हम जानते हैं कि उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाएगा क्योंकि भारत के पीएम अडानी का समर्थन करते हैं, वह उनके संरक्षक हैं।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी, जिला-जशपुर (छ.ग.)

//ईश्तहार//

क्रमांक/5240/वाचक-अपर कले./2024

जशपुर दिनांक 12/11/2024

सर्व साधारण को इस ईश्तहार के जरिये सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री पंकज सामल आ ब लराम सामल उम्र 28 वर्ष, जाति-पान, निवासी ग्राम-पत्थलगाय, तहसील-पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.) प्रथम पक्ष एवं आवेदिका कु सबिता बाई आ.धरम साय, उम्र 28 वर्ष, जाति गयार, निवासी ग्राम-वार्ड क्र. 03 कांसाबेल, तहसील-कांसाबेल, जिला-जशपुर (छ.ग.) द्वितीय पक्ष ने विशेष विवाह अधिनियम, 1954 की धारा-05 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर उनके बीच विवाह अनुष्ठापित कर प्रमाण-पत्र प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।02/ इस विवाह अनुष्ठापित के संबंध में जिस किसी को आपत्ति हों वे दिनांक 11.12.2024 को स्वतः या अधिवक्ता के मार्फत आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी,
जिला-जशपुर (छ.ग.)

आधार कार्ड में नाम सुधार कि सूचना पत्र

कुँवारो पति लिखन जाति कॅवर निवासी ग्राम कसकेला रोड पारा थाना जयनगर तह० लटोरी जिला- सूरजपुर का पुकारू नाम मानकुँवर पैकरा है जिसका कि आधार कार्ड क- 329229166221 है जिसमे कि त्रुटि पुर्ण नाम मानकुवॅर पैकरा एवं जन्म तिथि दिनांक 10/9/1982 अंकित है जब कि सही नाम कुँवारो / ड४ठहअफड पति लिखन जन्म दिनांक 24/1/1966 जो सही है अंकित करा कर आधार कार्ड का सुधार किया जाना है।

पिथौरागढ़ में दिखा बेरोजगारी का आलम

सेना भर्ती के दौरान भगदड़, पहुंचे थे 20,000 से अधिक युवा

एजेंसी

नई दिल्ली, उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में सेना भर्ती शिविर में इस नवंबर की शुरूआत में लोगों की आमद देखी गई। प्रादेशिक सेना में शामिल होने के इच्छुक उम्मीदवारों की संख्या में वृद्धि के कारण कार्यक्रम स्थल पर भारी भीड़ और लाठीचार्ज हुआ। भर्ती अभियान के दौरान 20,000 से अधिक युवाओं के एकत्र होने से भगदड़ जैसी स्थिति को देखते हुए, अधिकारियों ने भीड़ को संभालने के लिए लाठीचार्ज का सहारा लिया। पिथौरागढ के डीएम विनोद गोस्वामी और एसपी रेखा यादव ने पिथौरागढ में सेना भर्ती स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया और अभ्यर्थियों के लिए बुनियादी सुविधाओं और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पिथौरागढ़ की एसपी रेखा यादव ने कहा कि भारी भीड़ के दबाव को देखते हुए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। और अब तक सब कुछ सामान्य और सुरक्षित रूप से चल रहा है। पिथौरागढ़ में सेना भर्ती शिविर के दृश्य ऑनलाइन सामने आए हैं, जिसमें हजारों अभ्यर्थियों को परिसर में उमड़ते हुए दिखाया गया है। वीडियो में, हम शिविर में भारी भीड़ उमड़ते हुए देख सकते हैं। सड़कें कई मीटर तक लोगों से खचाखच भरी थीं। जहां कुछ ऊंचे पहाड़ी इलाके पर खड़े थे, वहीं अन्य लोगों की सड़क पर पानी भर गया। कथित तौर पर हजारों की संख्या में सेना के उम्मीदवार अपने सामान और दस्तावेजों के साथ भर्ती शिविर में पहुंचे, लेकिन उचित आवास सुरक्षित नहीं कर पाए, जिसके कारण उन्हें सड़कों पर पानी भरना पड़ा। प्रादेशिक सेना की स्थापना का पता तब लगाया जा सकता है जब 18 अगस्त, 1948 को प्रादेशिक सेना अधिनियम लागू किया गया था, हालाँकि, इसकी उत्पत्ति 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से मानी जाती है। आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, प्रादेशिक सेना में लगभग 50,000 हैं कार्मिक, जिसमें देश भर में फैली 65 विभागीय और गैर-विभागीय इकाइयाँ शामिल हैं।

घरेलू विमानों का बेड़ा पांच वर्षों में 1,400 विमानों तक पहुंच जाएगा: विमानन सचिव

एजेंसी

नई दिल्ली, नागर विमानन सचिव वुमलुनमंग वुअलनाम ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगले पांच साल में घरेलू विमानन कंपनियों के पास मौजूद विमानों की संख्या बढ़कर 1,400 हो जाएगी। बेड़े में वर्तमान में करीब 800 विमान हैं। प्रमुख विमानन कम्पनियों इंडिगो और एयर इंडिया ने विमानों के लिए बड़े ठेके दे रखे हैं। विमानन मंत्रालय के सहयोग से वीमेन इन एविएशन इंडिया द्वारा यहां आयोजित गिविंग विंग्स टू ड्रीम्स अवाड्र्स 2024 में सचिव ने ड्रोन सहित विमानन क्षेत्र में महिलाओं के लिए मौजूद अवसरों का भी उल्लेख किया। वुअलनाम ने कहा कि अगले 10 वर्ष में हवाई अड्डों की संख्या मौजूदा 74 से दोगुना होकर 157 हो जाएगी। यात्रियों की संख्या भी दोगुनी होकर 11 करोड़ से 22 करोड़ हो जाएगी। उन्होंने साथ ही कहा कि 120 करोड़ रुपये की उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना सफल रही और लाभार्थी कंपनियों का कुल कारोबार बढ़कर 1,400 करोड़ रुपये हो गया है। ड्रोन के लिए पहली पीएलआई योजना की शुरूआत 20 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 2021 में वित्त वर्ष 2021-22 से तीन वित्त वर्षों के लिए की गई थी जो अब समाप्त हो गई है।

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ0ग0)

रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष

ग्राम (पासल) भैयाथान प.ह.नं. 13

ईश्तहार

एत्तद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कौशिल्या पिता रामटहल जाति गोड़ निवासी ग्राम भैयाथान प.ह.नं. 13 रा.नि.म. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदन के नानी स्व० सुखमन बेवा अकालू का मृत्यु दिनांक 20/05/1986 को ग्राम भैयाथान में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने नानी स्व० सुखमन का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत भैयाथान को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 29/11/2024 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 29/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
तहसील-भैयाथान
जिला सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार तहसील भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ0ग0)

ईश्तहार

आम जनता ग्राम सिरसी प०ह०नं0-14 रा०नि०मं० भैयाथान तहसील भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ0ग0) को सूचित किया जाता है कि आवेदक अखिलेश प्रताप सिंह आ० अवधेश्वरी प्रताप सिह उम्र 50 वर्ष जाति निवासी ग्राम व पोस्ट भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) के द्वारा ग्राम सिरसी में स्थित भूमि खसरा नंबर 2721 रकबा 2.52 हे. भूमि स्थित है। उक्त भूमि व मेन रोड सूरजपुर से भैयाथान के बीच में 2721 रकबा 2.52 हे. शासकीय भूमि है । आवेदक को शासकीय भूमि में से होकर अपनी भूमि में जाना पड़ता है उक्त वादभूमि में रकबा 2721 रकवा 2.52 हे. मे से 12 फीट रोड आवेदक को प्रदान कर उक्त रोड को नक्शे के इन्द्राज में दर्ज किये जाने हेतु एवं ग्राम सभी पंजी क्रमांक 13 सूरजपुर मेन रोड से अखिलेश प्रताप सिंह के जमीन तक मिटटी मुरूम सडक निर्माण करने वावत दिनांक 11.10.2024 प्रस्तावित किया गया है एवं आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है । अतः जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को आपत्ति हो तो वह अपना आक्षेप व अपना दावा आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता/आममुख्त्यार के माध्यम से दिनांक 28/11/2024 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नही किया जायेगा एवं तदानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनांक 19/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया है।

तहसीलदार तहसील-भैयाथान
जिला सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा0प्र0क्र0//अ-20(3)/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक अब्दुल जुनैद आ० स्व० अब्दुल रसीद निवासी भैयाथान रोड सूरजपुर थाना व तहसील सूरजपुर जिला-सरगुजा छ०ग० हालमुकाम लिंक रोड सी.एम.डी. कालेज के सामने बिलासपुर, जिला बिलासपुर छ०ग० स्वंय एवं मुख्तारआम अब्दुल तारीक आ० स्व० अब्दुल रसीद, अब्दुल इमरोज आ० स्व० अब्दुल रसीद एवं सरवरी बेगम पति स्व० अब्दुल रसीद सभी निवासी भैयाथान रोड सूरजपुर थाना व तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर छ०म० हाल मुकाम बिलासपुर, जिला बिलासपुर छ०ग०, के द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व की मोहल्ला ब्रम्ह रोड नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-03 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 891 रकबा 0.08 एकड़ में से रकबा 0.07 एकड़ भूमि अनावेदक/क्रेता श्रीमती आंचल सोनी पत्नी श्रीकान्त सोनी जाति सोनार निवासी पंचशील गली सत्तीपारा वार्ड अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ०ग० के पास बिकय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 9/12/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांक-20/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा0प्र0क्र0/./अ-20(3)/2024-25

ईश्तेहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक अब्दुल जुनैद आ० स्व० अब्दुल रसीद निवासी भैयाथान रोड सूरजपुर थाना व तहसील सूरजपुर जिला-सरगुजा छ०ग० हालमुकाम लिंक रोड सी.एम.डी. कालेज के सामने बिलासपुर, जिला बिलासपुर छ०ग० स्वंय एवं मुख्तारआम अब्दुल तारीक आ० स्व० अब्दुल रसीद अब्दुल इमरोज आ० स्व० अब्दुल रसीद एवं सरवरी बेगम पति स्व० अब्दुल रसीद सभी निवासी भैयाथान रोड सूरजपुर थाना व तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर छ०ग० हाल मुकाम बिलासपुर, जिला बिलासपुर छ०ग०, के द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व की मोहल्ला ब्रम्ह रोड नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-03 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 890 रकबा 0.02 एकड़ एवं प्लाट नम्बर 891 में से रकबा 0.01 एकड़ भूमि अनावेदक/केता अनूप कुमार सोनी आ० स्व० जनक प्रसाद सोनी निवासी ब्रम्ह रोड अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के पास बिकय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक

9/12/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 20/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

भोजन की तरह खेलकूद भी शरीर के लिए है आवश्यक : बीईओ

प्रेमनगर में आयोजित संकुल स्तरीय खेल कूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का हुआ समापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छात्रों में शारीरिक, मानसिक, सामरिक व संज्ञानात्मक विकास करने जिले के प्रेमनगर विकास खंड में तीन दिवसीय संकुल स्तरीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसके समापन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विकास खंड शिक्षा अधिकारी रामबिलास साहू, एबीईओ प्रताप सिंह पैंकरा, बीपीओ रमेश कुमार जायसवाल, संकुल प्राचार्य विपिन कुमार पाण्डेय, सेवानिवृत्त प्रधानपाठक पी. आर. सिंह रहे।

ज्ञात हो कि ठंड बढ़ने के साथ साथ विद्यालयों में खेल कूद की गतिविधियां बढ़ जाती है इसी तारतम्य में प्रेमनगर संकुल 01 के सीएसी पुष्पराज पाण्डेय के नेतृत्व में सभी शिक्षकों के सहयोग से तीन दिवसीय खेल कूद व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन किया गया। जिसमें प्रायमरी, मिडिल व हाई, हायर सेकेंडरी के बच्चे शामिल हुए। प्राथमिक, माध्यमिक, हाई व हायर सेकेंडरी स्तर के बालक बालिका वर्ग के पृथक पृथक खेलों का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में लगभग 128 से ज्यादा मैच व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रत्येक खेल व सांस्कृतिक कार्यक्रम में विजेता व उप विजेता प्रतिभागियों को संकुल की ओर से प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इन खेल प्रतियोगिताओं को सम्पन्न कराने में पीटीआई दया सिंह उईके, रूपचंद्र सिरदार, प्रदीप मरावी, खेमचंद जायसवाल व सत्यदेव सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में प्राथमिक शाला गांधीनगर के शिक्षिका मीरा सिंह श्याम ने तीन दिन तक सभी शिक्षकों के लिए स्वयं से खाने की व्यवस्था की व आयोजक संस्था शासकीय माध्यमिक शाला प्रेमनगर के समस्त स्टाफ ने आयोजन की जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन किया। इस खेल महोत्सव में प्रत्येक स्कूल के मध्यान्ह भोजन के सहायिकाओं ने खेल मैदान में ही बच्चों के लिए मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था की। प्रेमनगर संकुल 1 ब्लॉक में पहला संकुल है जहां के सीएसी पुष्पराज पाण्डेय की पहल पर शिक्षक शिक्षिकाओं के लिए ड्रेस कोड लागू कर नवाचार किया। आयोजन के समापन अवसर पर बीईओ रामबिलास साहू ने कहा कि शरीर के लिए भोजन की तरह खेल कूद भी आवश्यक है। संकुल स्तरीय यह आयोजन सराहनीय पहल है। ऐसे आयोजन को पूरे ब्लॉक में प्रसारित करते हुए सभी संकुल तक पहुंचाएं ताकि सभी छात्रों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा खेल हमें विकास सिखाता के साथ यह हमें लचीलापन, नेतृत्व, जवाबदेही, सम्मान और धैर्य जैसी चीजें सिखाने में मदद करता है। खेल कूद के समापन कार्यक्रम में उपस्थित बीपीओ रमेश कुमार जायसवाल ने कहा खेल के माध्यम से सीखने से बच्चों को मानसिक उत्तेजना मिलती है जो उनके संज्ञानात्मक विकास में सुधार करती है। खेल के माध्यम से सीखना कई तरह से रचनात्मकता को बढ़ाता है। बालक प्राचार्य व संकुल प्राचार्य विपिन कुमार पाण्डेय ने खेल के महत्व के बारे में बताया खेल हमारे धैर्य, आत्मविश्वास, साहस, भाईचारा व सामाजिक सद्भावना को बढ़ाती है। खेलकूद से बच्चों में ऊर्जा आती है जिससे पढ़ाई लिखाई अन्य तनाव से मुक्ति मिलती है तथा चुनौतियों से लड़ने का साहस उत्पन्न होता है। इस कार्यक्रम में कोटेया व्याख्याता कृष्ण कुमार ध्रुव, बालक प्रेमनगर से अशोक कुमार दुबे, ज्योति साव, विनय कुमार, सीएसी पुष्पराज पाण्डेय, विजय साहू, मुकेश दुबे, रामराज सिंह, स्वाति एक्का, नर्मदा चौहान, सुनीता पाण्डेय, प्रतिभा साहू, वंदना जायसवाल, रजमुनिया, सोनिया सिंह, सुधा त्रिपाठी, आभा सिंह, सत्यदेव सिंह, सुरेश कुमार साहू, प्रीतम कमल, रामबच्चन साहू, श्याम लाल, प्रेमसागर, नम्रता अनंत, करन कुमारी, दिलीप कुमार, गीता मरकाम, उमेश चक्रधारी, भास्कर सिंह, दिलसाय मरपच्ची, राकेश कैवर्त, संतोष टंडन, सुमीत सिंह, मीरा सिंह, कमला सिंह, खेलसाय, शबाना अंसारी, शिवानी पटेल, ऐश्वर्या, राजेन्द्र कुमार जलतारे, राजकुमार साहू, प्रणव साहू, कमल किशोर, बंशबहादुर सिंह, रूपसाय पोर्ते, शमा परवीन, सुजाता जायसवाल सहित संकुल के प्रतिभागी छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने किया जिला अस्पताल और रिसाली नगर निगम क्षेत्र का भ्रमण

दुर्ग, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के मागदर्शन में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ भारतीय प्रशासनिक सेवा के 11 प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा विगत दिवस जिला अस्पताल दुर्ग और नगर निगम रिसाली का भ्रमण/निरीक्षण किया गया। जिला अस्पताल भ्रमण/निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ एवं सीविल सर्जन द्वारा स्वास्थ्य से संबंधित सरकारी योजनाओं का विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही जिला चिकित्सालय में उपलब्ध चिकित्सा सुविधा के बारे में भी बताया गया। इसी प्रकार प्रशिक्षु अधिकारियों ने नगर पालिक निगम रिसाली के स्लम बस्ती रूआबांधा क्षेत्र का भी भ्रमण किये। प्रशिक्षु अधिकारियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना, बी.एल.सी. घटक, ए.एच.पी. घटक, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, छ.ग. भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाएं, राशन कार्ड, मोर संगवारी सेवा, मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना, धन्वंतरी, पेंशनधारी हितग्राहियों की योजनावार जानकारी, आयुष्मान की जानकारी, एस.बी.एम., डेंगू एवं मच्छर उन्मूलन रोकथाम हेतु प्रयासों का विवरण इत्यादि विषयों पर सारगर्भित चर्चा एवं योजनाओं की जानकारी प्राप्त किये।

छ.ग. टूरिज्म बोर्ड पर्यटन नीति 2020 के अंतर्गत जिला स्तरीय समिति सदस्यों की हुई बैठक

जिले में पर्यटन स्थलों के विकास एवं कुदरगढ़ में रोप-वे निर्माण पर की गई विस्तृत चर्चा

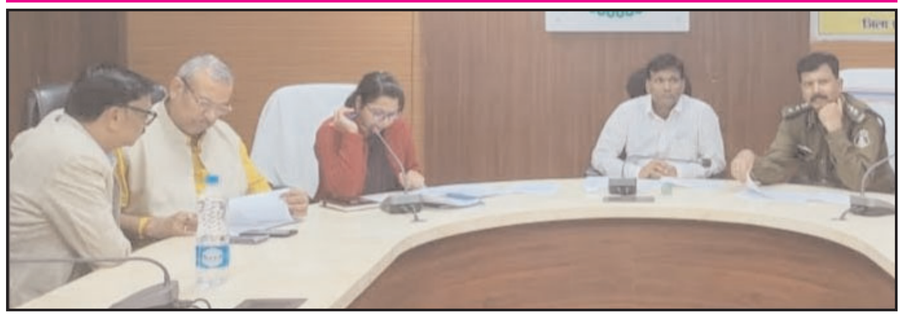

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शुक्रवार को यहां कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में कलेक्टर एस जयववर्धन की अध्यक्षता में छत्तीसगढ टूरिज्म बोर्ड पर्यटन नीति 2020 के अंतर्गत जिला स्तरीय समिति के सदस्यों के साथ जिले के विभिन्न पर्यटन स्थलों को विकसित करने बैठक का आयोजन किया गया था। जिसमें समिति के सदस्यों के साथ जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। कुदरगढ़ में रोप-वे निर्माण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। रोप-वे के निर्माण को मूर्त रूप देने के लिए नियमानुसार कार्यवाही की बात की गई। जिले के महत्पूर्ण पर्यटन स्थल का व्यापक प्रचार-प्रसार हो इसके लिए शहर के महत्वपूर्ण जगहों बस स्टैंड, रेल्वे स्टेशन, विश्राम गृह इत्यादि पर पर्यटन स्थल का पोस्टर लगाया जाएगा। पोस्टर में पर्यटन स्थल का नाम व शहर के केंद्र बिंदु से पर्यटन स्थल की दूरी का चित्रण किया जायेगा ताकि लोकल लोगों के साथ-साथ बाहरी लोग भी जिले के पर्यटन स्थल से परिचित हो सकें। बैठक में जिला स्तरीय पर्यटन समिति द्वारा चिन्हांकित पर्यटन धार्मिक स्थल खोपा देवी धाम, राष्टपति भवन पण्डोनगर, रामेश्वनगर पर्यटन स्थल पर चर्चा की गई। जिले में राज्य से चिन्हांकित प्रमुख पर्यटन धार्मिक स्थल कुदरगढ़ धाम, सारासोरो, तमोर पिंगला अभ्यारण्य एवं 28 अन्य प्रमुख पर्यटन व धार्मिक स्थल में से कुमेली फॉल, बॉक, कर्करेखा सत्तीपारा इत्यादि में सुविधाओं का विस्तार, केनापारा पर्यटन स्थल के संचालन के संबंध में चर्चा की गई। इसके साथ ही पहाडगांव में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इसे पिलखा पहाड़ के रूप में विकसित किये जाने हेतु विस्तृत चर्चा की गई और इससे जूड़ी हुई व्यवाहरिक चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षण किया गया। बैठक में समिति सदस्य भीमसेन अग्रवाल एसपी प्रशांत कुमार ठाकुर, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

तिलहन फसलों का कृषि वैज्ञानिकों ने किया निरीक्षण

सुकमा, छ.ग. फ्रंटलाइन। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय,रायपुर कृषि विज्ञान केन्द्र सुकमा द्वारा नेशनल फूड सिक्योरिटी मिशन अंतर्गत समुह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के तहत् सुकमा जिले में तिलहनी फसलों का प्रदर्शन लगाया गया हैं। केन्द्र के समुह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के प्रभारी पौध रोग विशेषज्ञ श्री राजेन्द्र प्रसाद कश्यप, कृषि अभियांत्रिकी विशेषज्ञ डॉ.परमानंद साहू ने बताया कि सुकमा जिले में तिलहनी फसलों की रकबा द्वारा अपने विस्तार हेतु तिल का 50 हेक्टेयर में किसानों के खेत में प्रदर्शन लगाया गया है। जिसका उपयोग किसान द्वारा इसका घरेलू उपयोग के साथ-साथ इसे बाजार में बिक्री कर आमदनी बढ़ाया जा सके। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर से आये वैज्ञानिक डॉ.जी.पी.आयाम, डॉ.एन.सी.मंडावी एवं डॉ.एन.नाग ने छिन्दगढ़ विकासखण्ड़ के गांव धोबनपाल में 50 एकड़ में प्रदर्शित तिल फसल का अवलोकन किये एवं कृषकों से सीधे संवाद भी किये।

28 से होगा 3 दिवसीय युवा महोत्सव

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के सभी विकास खण्डों में 28 नवंबर से युवा महोत्सव 2024-25 का आयोजन किया जाएगा। उक्त आयोजन 30 नवंबर तक चलेगा। आयोजन के सफल संचालन हेतु जिला प्रभारी व विकासखण्ड स्तर पर नोडल तथा सह नोडल अधिकारी चयनित किये गए है।

गाड़ी किराया का भुगतान नहीं किए जाने पर जनदर्शन में की शिकायत

दुर्ग, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने जनदर्शन में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में आज 95 आवेदन प्राप्त हुए।

फरीद नगर सुपेला भिलाई निवासी ने नियम विरुद्ध नाली व सड़क पर किये गये अवैध कब्जा को हटाने के लिए आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि कैलाश नगर वार्ड 21 में टाइल्स व मार्बल विक्रय की तीन मंजिला कामर्शियल इमारत का निर्माण किया गया है। इस संबंध में भवन निर्माण अधिकारी व जोन 2 के कार्यालय जाकर तथा पत्र देकर इसकी शिकायत भी की गई थी। निर्माणकर्ता ने मुख्य रोड पर नाली के उपर पक्का स्लेब ढलाई करके 15 फीट कब्जा कर लिया है। साथ ही सड़कों पर सामानों को रखा जा रहा है तथा वाहनों को खड़ा किया जाता है, जिससे आना जाना मुश्किल हो गया है। मुख्य रोड से मुड़कर क्रिश्चियन कॉलेज जाने वाले इस रोड पर दो बड़े अपार्टमेंट हैं जिसके आवागमन का यह एक मात्र रास्ता है। इसी मोड़ से क्रिश्चियन कॉलेज सहित अन्य स्कूलों, कालेजों की बड़ी बसों तथा ट्रकों को इस अतिक्रमण से अपने वाहनों को मोड़ने में कठिनाइयां हो रही हैं और हमेशा रोड में जाम की स्थिति बनी रहती है। इस पर कलेक्टर ने आयुक्त नगर निगम भिलाई को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मरौदा रिसाली नगर भिलाई निवासी ने गाड़ी किराया का भुगतान नही किए जाने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना के तहत उनका टाटा एस गाड़ी खाना लाने और ले जाने के लिए उपयोग होता है, किंतु एक वर्ष से संबंधित विभाग द्वारा गाड़ी किराया का भुगतान नही किया गया है, जिसके चलते गाड़ी का किश्त जमा करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को तत्काल भुगतान की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। पुरानी बस्ती कोहका, वार्ड क्र. 13, भिलाई निवासियों ने आबादी पट्टा दिलाने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि 2017-18 में आबादी क्षेत्र में पट्टा वितरण किया गया था, तब इस क्षेत्र में निवासरत लोगों को भी पट्टा वितरण किया गया। किंतु इस क्षेत्र में कई वर्षो से निवासरत अन्य लोगों को पट्टा प्रदान नही किया गया, जिसके कारण हम लोग असहज महसूस करते है। इस पर कलेक्टर ने आयुक्त नगर निगम भिलाई को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

सारंगढ़ के कॉलेज पहुंचे लोकसभा सदस्य राधेश्याम राठिया और कमलेश जांगड़े

सारंगढ़ बिलाईगढ़, छ.ग. फ्रंटलाइन। रायगढ़ लोकसभा सासंद राधेश्याम राठिया और जांजगीर चांपा लोकसभा सांसद कमलेश जांगड़े ने विशेष आग्रह को स्वीकार कर शासकीय पंडित लोचन प्रसाद पांडेय महाविद्यालय सारंगढ़ का अवलोकन किया। इस दौरान कॉलेज की ओर से लोकसभा सदस्यों सहित सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। इसके साथ ही कॉलेज के व्यवस्था और प्रगति रिपोर्ट के संबंध में जानकारी के साथ विभिन्न विषयों एवं अतिरिक्त कक्ष के निर्माण की मांग की गई।

कार्यालय, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, (स्थानीय निर्वाचन) बलरामपुर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

मुद्रण कार्य के लिए निविदा सूचना

क्रमांक 689 दिनांक 28/11/2024

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.) में वर्ष 2024-25 में होने वाले पंचायत चुनावों के लिए मतपत्रों के मुद्रण हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा फार्म (जिसका कि मूल्य रूपये 100/- है) कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निर्धारित फार्म में भरी निविदाएं कलेक्टर कार्यालय में दिनांक 03/12/2024 को अपरान्ह 3.00 बजे तक प्राप्त की जाएगी और उसी दिन उपरान्ह 4.00 बजे उपस्थित निविदाकारों या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जाएंगी।
2. मुद्रण के लिए कागज कलेक्टर द्वारा उपलब्ध कराए जायेंगे।
3. निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी कलेक्टर कार्यालय में उप जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) से सम्पर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

(कलेक्टर एवं जि.निर्वा.अधि. महोदय द्वारा अनुमोदित)

उप जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय)
हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी
बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

जी-242503988/1

भैयाथान के स्कूलों और महाविद्यालयों में छात्र-छात्राएँ बने बाल विवाह रोकथाम के एंबेसडर

बच्चों को प्रेरित करने किया गया ''चुप्पी तोड़ो'' गतिविधि का आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देश व जिला कार्यक्रम अधिकारी रमेश साहू के मार्गदर्शन में जिले में बाल विवाह और बाल संरक्षण के विभिन्न विषयों की जानकारी विकासखंड भैयाथान स्कूलों और महाविद्यालय में छात्र छात्राओं को इस विषय पर जागरूक किया जा रहा है। शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय भैयाथान, पंडित रविशंकर त्रिपाठी महाविद्यालय, महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में बाल विवाह और बाल संरक्षण के महत्वपूर्ण विषयों पर कार्यशाला का आयोजित किया गया।

इस कार्यशाला में छात्रों को बाल विवाह की हानियों और बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। मनोज जायसवाल ने विद्यार्थियों को बाल विवाह, बाल संरक्षण कानूनों, और सामाजिक बुराइयों के प्रति जागरूक किया। अपने अनुभव साझा करते हुए, उन्होंने वास्तविक जीवन की कुछ केस स्टडी के माध्यम से बाल विवाह के गंभीर परिणामों को समझाया जायसवाल ने पॉक्सो अधिनियम के तहत बच्चों को लैंगिक अपराधों से बचाने के प्रावधानों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बच्चों को गलत तरीके से घूरना, पीछा करना, रास्ता रोकना, आपत्तिजनक चित्र दिखाना या अनुचित रूप से छूना भी कानूनन अपराध है। गुड टच और बैड टच की पहचान करने और पॉक्सो अधिनियम के तहत सुरक्षा के लिए तीन प्रमुख उपाय नो विरोध करना, गो, घटना स्थल से भागना, और टेल, किसी विश्वसनीय व्यक्ति को बताना को समझाया गया। इसके अलावा, एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया पर भी चर्चा की गई। उन्होंने जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के तहत बच्चों को नशे से बचाने के लिए बनाए गए प्रावधानों की जानकारी दी। धारा 77 और 78 के अनुसार, बच्चों को नशा कराना या नशे का सामान बेचना अपराध है, जिसमें दोषी पाए जाने पर 1 लाख रूपये तक का जुर्माना और 2 साल की सजा का प्रावधान है। बच्चों को प्रेरित करने के लिए ''चुप्पी तोड़ो'' गतिविधि का आयोजन किया, जिसमें बच्चों को अपने साथ होने वाली किसी भी गलत घटना के बारे में बोलने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यशाला में बाल श्रम और भिक्षावृत्ति के खिलाफ जागरूकता भी बढ़ाई गई। उन्होंने बाल श्रम निषेध और विनियमन अधिनियम, 1986 के प्रावधान समझाते हुए बताया कि बच्चों से श्रम कराने पर 6 महीने से 2 साल तक की सजा और 20 से 50 हजार तक का जुर्माना हो सकता है। विद्यार्थियों को साइबर क्राइम और नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों की जानकारी दी। उन्होंने साइबर सुरक्षा के उपायों और नशे से बच्चों को बचाने के लिए समाज में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

यूनिसेफ़ के ज़िला समन्वयक प्रथमेश मानेकर ने विद्यार्थियों को बाल विवाह मुक्त सूरजपुर अभियान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि भारत में बाल विवाह की दरें चिंताजनक हैं, और एनएफएचएस-5 के आंकड़ों के अनुसार, सूरजपुर जिले में यह दर 34.4 प्रतिषत है, जो देश में सबसे अधिक है। इसे समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। प्रथमेश ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे बाल विवाह रोकथाम के एंबेसडर के रूप में कार्य करें और समाज में जागरूकता फैलाने में योगदान दें। उन्होंने बाल विवाह की परिभाषा, इसके कारण, नकारात्मक प्रभाव, और रोकथाम के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही, स्कूल छोड़ चुके बच्चों को फिर से शिक्षा से जोड़ने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के अधिकार और सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों पर भी चर्चा की गई।

मानेकर ने विद्यार्थियों को बाल विवाह रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने की प्रेरणा दी और उन्हें यह समझाया कि उनका छोटा सा प्रयास भी इस गंभीर सामाजिक समस्या को समाप्त करने में बड़ा बदलाव ला सकता है। चाइल्ड लाइन से शीतल सिंह ने बाल अधिकार, बाल श्रम और चाइल्ड लाइन की सेवाओं के बारे में जानकारी दी। सखी सेंटर से साबरिन फ़ातिमा द्वारा सखी वन स्टॉप सेंटर के बारे बताया इसमें सभी प्रकार की हिंसा से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को एक ही स्थान पर अस्थायी आश्रय, पुलिस-डेस्क, विधि सहायता, चिकित्सा एवं काउन्सलिंग की सुविधा वन स्टॉप सेन्टर में उपलब्ध होती है। एक ही छत के नीचे हिंसा से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को एकीकृत रूप से सहायता एवं सहयोग प्रदाय करता है। इसके बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य सुखेंद्र प्रताप सिंह शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भैयाथान, पंडित रविशकर त्रिपाठी महाविद्यालय भैयाथान के एनएसएस प्रभारी चोलसाय चेरवा, श्रीमती हुमी सिंह, सखी सेंटर से साबरीन फ़ातिमा, चाईल्ड हेल्पलाईन से शीतल सिंह परामर्शदाता, विद्यालयो एवं महाविद्यालय से सभी शिक्षक शिक्षिका, प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

C M Y K

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर 23 नवम्बर 2024

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 9713108088
8719000259

सरगुजा फ्रंटलाइन

चोरी की गुत्थी सुलझाने में जूता बना मददगार, 7.94 लाख नगद सहित लाखों का जेवरात बरामद

आरोपी रिश्तेदार के साथ दो को गिरफ्तार किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सीतापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सूने मकान में हुई नगदी सहित 15 लाख रुपये के जेवरातों की चोरी के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को 72 घंटे के अंदर कोरिया जिले से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से 07 लाख 94 हजार 622 रुपये नगद, सोने व चांदी के जेवरात कुल कीमत लगभग 16 लाख रुपये बरामद करने में पुलिस सफल हुई है। मुख्य आरोपी सीतापुर नगर पंचायत उपाध्यक्ष के रिश्तेदार बताया जा रहा है, जो छठ पूजा के दौरान उनके यहां आया था। इस दौरान उसने नगदी और जेवरात रखने वाले जगह को देखा था। बाद में रिश्तेदारी में विवाहोत्सव का मिले निमंत्रण के बहाने वह सीतापुर आया और विवाह कार्यक्रम में शामिल होने के बजाए चोरी की घटना को अंजाम देकर निकल लिया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने आसपास तलाशी के दौरान एक सब्बल और पेचकस मिला था। इसके बाद कंपनी विशेष के सब्बल के विक्रेता के तलाश में जुटी पुलिस बतौली में स्थित उस हार्डवेयर दुकान तक पहुंची, जहां से उक्त सब्बल को खरीदा गया था। सीसीटीव्ही में दो युवक सब्बल खरीदते नजर आए, लेकिन इन्होंने चेहरे को ढककर रखा था, जिससे इनकी पहचान स्पष्ट नहीं हो पा रही थी। पुलिस ने आरोपी की पहचान उसके पहने हुए जूते से की थी।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में मामले का पर्दाफास करते हुए बताया कि सीतापुर थाना क्षेत्र के शंकर वार्ड क्रमांक 3 में शिव मंदिर के सामने रहने वाले विनिप गुप्ता ने 18 नवम्बर को थाना सीतापुर में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि 17 नवम्बर को वे शादी विवाह के कार्यक्रम में शामिल होने गए थे, इस दौरान रात 9 बजे से 11.30 बजे के बीच अज्ञात व्यक्तियों ने उसके मकान का ताला तोड़कर 13 लाख रुपये नगद एवं 02 लाख रुपये का सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिया। नगदी सहित चोरी गए जेवरातों की कीमत लगभग 15 लाख रुपये बताई गई थी। रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया था। चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए आरोपी सामने से ताला तोड़कर अंदर प्रवेश नहीं किए थे। पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने आरोपियों के पतासाजी के लिए साइबर सेल, विशेष पुलिस टीम व थाना सीतापुर से पुलिस टीम का गठन करने कहा था। इसके बाद टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान मौके से घटना में प्रयुक्त लोहे का सब्बल एवं पेचकस बरामद किया गया। घटना को अंजाम देने के दौरान इनके आने-जाने एवं फरार होने के संभावित रास्ते पर लगे सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन करने के बाद पुलिस लोहे के सब्बल को आधार बनाकर अग्रिम जांच में जुटी। इस दौरान पुलिस टीम को सूचना मिली कि घटना के पूर्व लोहे का सब्बल एवं पेचकस बतौली के एक हार्डवेयर दुकान से दो युवकों ने खरीदा था। पुलिस टीम उक्त दुकान तक पहुंची और संचालक से पूछताछ करने के बाद आरोपियों का चेहरा देखने के लिए आस-पास के सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन की।

नजदीकी रिश्तेदार तक पहुंची पुलिस

आरोपियों के संभावित रुट को जानने एवं संदेहियों के सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन करने के बाद पुलिस टीम द्वारा मामले में शामिल संदेहियों आयुष उर्फ रोशन उर्फ हिमांशु पिता दिनेश साहू 21 वर्ष व उमेश उर्फ नानदाऊ पिता कमलेश्वर साहू 20 वर्ष, दोनों निवासी छिंदडांड थाना बैकुंठपुर जिला कोरिया को घेराबंदी करके कब्जे में लिया। पूछताछ में पता चला कि जिस घर में चोरी की घटना हुई है, आयुष उस परिवार का नजदीकी रिश्तेदार हैं और इनके मकान में पहले से ही आना-जाना करते आ रहा है। कुछ दिन पूर्व छठ पर्व के मौके पर भी आरोपी रिश्ते में नाना लगने वाले गुप्ता परिवार के यहां आया था, जिससे उसे घर में रखे गए नगदी रकम एवं सोने-चांदी के जेवर रखने के जगह की जानकारी थी। घटना दिनांक 17 नवम्बर को परमेश्वर गुप्ता व उनके पुत्र सहित पूरा परिवार विवाह कार्यक्रम में शामिल होने गए थे, इसकी जानकारी आरोपी आयुष को थी। रिश्तेदार होने के कारण शादी का निमंत्रण आयुष को भी मिला था, लेकिन वह शादी कार्यक्रम में शामिल ना होकर उमेश के साथ मिलकर अपने नजदीकी रिश्तेदार के मकान में चोरी के लिए छत के रास्ते पहुंचा था।

आरोपियों तक ऐसे पहुंची पुलिस

अतिात्क्ति पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मुख्य आरोपी की पहचान चेहरा ढंके होने के कारण सरीसीटीवी से नहीं हो पा रही थी। इसके बाद पुलिस ने वारदात स्थल में लगे सीसीटीवी सहित अन्य कैमरों में कैद हुए फुटेज का बारीकी से अवलोकन करने पर छठ पर्व के मौके पर गुप्ता परिवार के यहां पहुंचे रिश्तेदार आयुष उर्फ रोशन उर्फ हिमांशु पिता दिनेश साहू के जूते पर पुलिस की नजर पड़ी। पुलिस ने हार्डवेयर दुकान में सब्बल और पेंचकस खरीदने के लिए गए आरोपियों के फुटेज को बारीकी से देखा तो आयुष का जूता दोनों ही फुटेज में मैच कर रहा था। इसके बाद पुलिस आरोपियों तक पहुंची और बड़ी चोरी की वारदात का पर्दाफास करने में पुलिस सफल हुई।

स्कूल के छत से पहुंचे मकान तक

आरोपी आयुष और उमेश ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि सीतापुर आने के बाद अपने मोटरसायकल को सीतापुर कॉलेज के पास खड़ा कर दिए थे और स्कूल के छत से मकान में चढ़कर ऊपर का ताला सब्बल से तोड़कर अंदर घुस गए। मकान में घुसने के बाद कमरे का चाभी खोजा और आलमारी को खोलकर तिजोरी की चाभी आसानी से प्राप्त कर लिया। इसके बाद तिजोरी को खोलकर अंदर रखे नगद रुपये एवं 02 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरों की चोरी कर ली। आरोपी आयुष द्वारा चोरी किए गए नगद रकम में से 20 हजार रुपये अपने साथी उमेश उर्फ नानदाऊ को मोबाइल खरीदने के लिए दिया गया था, जिससे वह मोबाइल खरीदा था।

बरामद किए गए नगदी रकम और सामान

अतिरक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त अपाचे मोटरसायकल क्रमांक सीजी 16 सीएस 2294 के अलावा 07 लाख 94 हजार 622 रुपये नगद, 01 सोने का कंगन, 02 सोने का अंगूठी, 01 सोने का नाक का खूंटी, 01 चांदी का पायल, 02 नग पुराना पायल, 05 बिछिया, 01 कमरधनी, 13 नग सिक्का, 07 नग दुकान का चाबी, 01 काला बैग, 01 स्मार्टवाच, 01 हेडफोन, 02 जोड़ी पुराना चांदी का पायल, 01 मोबाइल फोन, 01 ब्लूटूथ, कुल कीमत लगभग 16 लाख रुपये बरामद किया गया है। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

कार्रवाई में ये रहे शामिल

कार्रवाई में थाना प्रभारी सीतापुर उप निरीक्षक रघु राम भगत, साइबर सेल प्रभारी उप निरीक्षक सी.पी. तिवारी, उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, स्पेशल टीम प्रभारी सहायक उप निरीक्षक विवेक पाण्डेय, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, आरक्षक अनुज जायसवाल, वीरेंद्र पैकरा, मनीष सिंह, रमेश राजवाड़े, संजीव चैबे, अमित विश्वकर्मा, सत्येंद्र दुबे, आनंद गुप्ता, अलोक गुप्ता, सूरजबली, सुनिल पैकरा, सैनिक रमेश कुमार सक्रिय रहे।

निर्वाचक नामावली में नाम जोड़ने के कार्य में अनियमितता का आरोप, कांग्रेस ने की जांच की मांग

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही। नगर पंचायत जरही के कांग्रेस संगठन द्वारा नपं जरही में चल रहे निर्वाचन नामावली में नाम जोड़ने के कार्य में अनियमितता का आरोप लगा अनुविभागीय अधिकारी से जांच की मांग की है। जानकारी के अनुसार कांग्रेस द्वारा नायब तहसीलदार जरही को अनुविभागीय अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपकर बताया है कि निर्वाचक नामावली में अवैध तरीके से लोगों के नाम मतदाता सूची में जोड़ने का आरोप लगाया गया है।

बता दें कि वर्तमान में आगामी नगरीय निकाय चुनाव को लेकर नए मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ा जा रहा है, जिसमें अवैध तरीके से नाम जोड़ने को लेकर आरोप-प्रत्यारोप की स्थिति बनने लगी है। कांग्रेस का आरोप है कि विधानसभा बूथ संख्या 257, 258 में छत्तीसगढ़ से बाहर के लोगों का नाम जोड़ा जा रहा है, अन्य राज्य में निवास करने वाले लोगों का जिनका आधार कार्ड बिहार राज्य का है, उनका गैस कार्ड दस्तावेज के रूप में दिया जा रहा है, जबकि संबंधित व्यक्ति का नगर पंचायत जरही में निवास नहीं है। चुनाव में लाभ लेने के लिए इनका नाम जुड़वाया जा रहा है। नगर पंचायत जरही में अन्य प्रांत और अन्य स्थल के व्यक्तियों का बिना आधार कार्ड या मतदाता परिचय पत्र के बिना अन्य दस्तावेज को आधार बनाकर बीएलओ को प्रभाव में लेकर मतदाता सूची में नाम जोड़ा जा रहा है। कांग्रेस संगठन द्वारा अनुविभागीय अधिकारी से निष्पक्ष जांच व कार्रवाई करने की मांग की गई है।

> नियमानुसार मतदाता सूची तैयार की जा रही है। ज्ञापन से जो जानकारी मिली है उस पर जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।
> **ललिता भगत**
> **एसडीएम प्रतापपुर**

खीस्त राजा पर्व का भव्य आयोजन कल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खीस्त राजा पर्व का भव्य आयोजन संत जेवियर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नवापारा अंबिकापुर परिसर में होगा। नवापारा स्थित महागिरजाघर में खीस्त राजा पर्व 2024 प्रार्थनापूर्ण तरीके से प्रात: 07 बजे से प्रारंभ होगा। यह पर्व पूरे वर्ष के धार्मिक आयोजन का समापन करता है। इसी के साथ नया पूजन वर्ष आरंभ होता है। यह पर्व येसु मसीह के सर्वोच्च शॉति, प्रेम, न्याय तथा आपसी भाईचारे का संदेश देता है। मुख्य कार्यक्रम के तहत 24 नवंबर रविवार को प्रात: 07 बजे से संत जेवियर उमावि अंबिकापुर परिसर में मुख्य अनुष्ठानदाता अन्तोनिस बड़ा, डीडी और नवापारा, नमना, सरगवां के पुरोहितों की उपस्थिति में प्रात 07 बजे शांति शोभा यात्रा निकलेगी। यह यात्रा बेदाग ईश माता महागिरजा से प्रारंभ होकर करताराम चौक, गांधी चौक, घड़ी चौक, संगम चौक, महामाया चौक से गुजरते हुए गुरूद्वारा तथा गुदड़ी बाजार चौक, जोड़ा पीपल, आकाशवाणी चौक से होकर उर्सुलाइन के सामने से वापस संत जेवियर उमावि पहुंचेगी, तत्पश्चात अंबिकापुर के धर्माध्यक्ष महामहिम डॉ. अन्तोनिस बड़ा के हाथों पवित्र यूखरिस्त बलिदान संपन्न होगा। इस आयोजन में धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों की भी एक श्रृंखला होगी, जिसमें मसीह के राजत्व पर आध्यात्मिक चिंतन, पवित्र साक्रामेंट की आराधना, युवाओं और पैरिश के सदस्यों द्वारा प्रस्तुत झांकी, सभी पैरिश के सदस्य, पड़ोसी पैरिश और आसपास के गांवों के मसीही हर्षोल्लासपूर्ण भाग लेंगे।

क्राइस्ट द किंग पर्व

क्राइस्ट द किंग पर्व पूरे धार्मिक वर्ष के अंतिम रविवार को मनाया जाता है, जो यीशु मसीह के विश्व के राजा के रूप में उनके स्थान को रेखांकित करता है। इसे 1925 में पोप पायस द्वारा स्थापित किया गया था। यह पर्व विश्वभर के कैथोलिकों के लिए मसीह के राज्य और उनके अनंत साम्राज्य पर चिंतन करने का समय है।

पिकअप की ठोकर से घायल शिक्षिका की इलाज दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पिकअप की ठोकर से घायल शिक्षिका की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना में दो बच्चे भी घायल हुए थे, जिनका शहर के निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। जानकारी के मुताबिक गांधीनगर थाना क्षेत्र के महुआपारा की प्रिया विश्वकर्मा पति रिशिकांत 36 वर्ष, 14 नवम्बर को सुबह लगभग 8 बजे लखनपुर में स्थित डीएवी स्कूल में पढ़ाने के लिए पूजा पांडेय के साथ स्कूटी में जा रही थी। बिलासपुर रोड भिट्ठीकला में पिकअप क्रमांक सीजी 12 डीके 4631 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए स्कूटी सवार शिक्षिका के अलावा एक साइकल सवार को ठोकर मार दिया था। साइकल सवार के साथ दो बच्चे भी थे। दुर्घटना में शिक्षिका और दोनों बच्चे घायल हो गए थे। स्कूटी में सवार पूजा को मामूली चोट आई थी। घायल शिक्षिका की अंबिकापुर के एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है।

शहर के हृदयस्थल पर मिला युवक का शव, ठंड से मौत की संभावना

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के हृदयस्थल घड़ी चौक, सरस्वती शिशु मंदिर परिसर से लगे राठी इण्डेन के पास एक युवक मृत अवस्था में मिला। संभावना जताई जा रही है कि ठंड लगने से उसकी मौत हुई होगी। मृतक शराबी प्रवृत्ति का था, उसके पास मिले पेन कार्ड और जेब में मिले एक मोबाइल नम्बर पर संपर्क करने के बाद उसकी पहचान हुई। सूचना पर मृतक के स्वजन पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा, पोस्टमार्टम कराया है। जानकारी के मुताबिक गांधीनगर निवासी इन्द्रजीत चौहान पिता फुलेश्वर राम 43 वर्ष बाबरा काम्पलेक्स गुदरी बाजार के पास रहकर काम करता था और मंगलवार को अवकाश के दिन घर आना-जाना करता था। शुक्रवार को कुछ लोगों की नजर राठी इण्डेन के पास पड़े युवक पर पड़ी, जिसकी सांस नहीं चल रही थी। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक जैकेट पहना था और उसके जेब में कुछ खाद्य सामग्री भी था। ऐसे में संभावना व्यक्त की जा रही है कि शराब के नशे में वह सो गया होगा और कुछ दिनों से पड़ रही अत्यधिक ठंड के कारण उसकी मौत हुई होगी। बहरहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का पता चल पाएगा।

वृद्ध महिला खाट से गिरी, इलाज दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खाट से गिरकर जख्मी हुई वृद्ध महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतिका बाबी देवी मिश्रा पति स्व. अयोध्या प्रसाद मिश्रा 75 वर्ष सूरजपुर जिला के प्रतापपुर थाना अंतर्गत ग्राम बांसा की रहने वाली थी। 17 नवम्बर की सुबह लगभग 5 बजे वह खाट से नीचे गिर गई। स्वजन उसे सूरजपुर जिला अस्पताल लेकर गए, यहां से बेहतर इलाज के लिए चिकित्सक ने वृद्ध महिला को रेफर कर दिया था। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में देर रात 12.30 बजे महिला की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम करके मृतिका के शव का पोस्टमार्ट कराया है।

लुण्ड्रा विधायक ने धान खरीदी का किया शुभारंभ, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुन्नी का औचक निरीक्षण

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज कुन्नी व लोसगा धान खरीदी केंद्र पहुंचे, यहां किसानों से भेंट करके धान खरीदी का शुभारंभ किया। उन्होंने किसानों के साथ स्थानीय समस्याओं को लेकर चर्चा की। धान समिति प्रबंधक को किसानों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना हो, इसका ध्यान रखने सख्त निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी प्रकार की परेशानी किसानों को होती है तो वे उनसे संपर्क करें, उचित कार्रवाई की जाएगी।

इसके उपरांत वे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुन्नी का भी निरीक्षण किए। यहां स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा एंबुलेंस की मांग की गई, जिससे गंभीर रूप से बीमार मरीजों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लखनपुर और मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर के लिए रेफर किया जा सके और सही समय में संबंधितों का उपचार हो सके। विधायक ने जल्द से जल्द एम्बुलेंस उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष चंद्रिका यादव, विधायक प्रतिनिधि राकेश साहू, महामंत्री विक्रम सिंह, रवि महंत, प्रवीण यादव, कुंदू राम, भैया लाल साहू भी उपस्थित ररहे।

साई कॉलेज की वार्षिक पत्रिका सृजन 2024 का अनावरण, नए मतदाताओं ने ली शपथ

छ.ग.फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। श्री साई बाबा आदर्श स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शुक्रवार को स्वीप के तहत नए मतदाताओं को प्रेरित करते हुए प्राचार्य डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने मतदाता शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और मजबूत लोकतंत्र के लिए जागरूक मतदाता होना आवश्यक है। सभी को आगामी चुनाव में निष्पक्ष मतदान करना है। इस अवसर पर डॉ. श्रीवास्तव ने स्वच्छता और पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। उन्होंने सभी प्राध्यापकों को स्वच्छता के साथ नशा से मुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए स्वच्छ और स्वस्थ भारत का युवा होना आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका सृजन का लोकार्पण हुआ। महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों के साथ विद्यार्थियों को सृजन 2024 का अंक वितरित किया गया। इस अवसर आईक्यूएसी समन्वयक डॉ.आरएन शर्मा, लाइफ साइंस विभाग के अध्यक्ष अरविन्द तिवारी, वाणिज्य एवं प्रबंध विभाग के अध्यक्ष राकेश कुमार सेन, फिजीकल साइंस विभाग के अध्यक्ष शैलेष देवांगन, कम्प्यूटर एंड आईटी विभाग के अध्यक्ष डॉ. विवेक कुमार गुप्ता, शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ. दिनेश शाक्य, स्वीप के नोडल डॉ. अजय कुमार तिवारी, सभी प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शिविरार्थियों ने निकाली जागरूकता रैली, पहुंच मार्ग तक संकेतक बनाया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रघुनाथपुर की एनएसएस इकाई द्वारा ग्राम सायरराई में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन स्वयंसेवकों द्वारा परियोजना कार्यक्रम के अंतर्गत नारा लेखन एवं शिविर पहुंच मार्ग संकेत तथा जागरूकता रैली का कार्य संपादित किया गया। शिवरार्थियों के राजमोहिनी दल द्वारा भोजन बनाने का कार्य किया तथा बिरसा मुण्डा दल द्वारा रखैतपारा, दुर्गावती दल द्वारा मिशन हातापारा, वीर नारायण सिंह दल द्वारा संतअन्ना के पास में जाकर सार्वजनिक स्थलों पर नारा लेखन, जागरूकता रैली, डिजिटल साक्षरता, मतदाता जागरूकता, स्वच्छता आदि कार्य संपादित किया गया। प्रभात फेरी के दौरान शिविर पहुंच मार्ग का निर्माण भी किया गया। बौद्धिक परिचर्चा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से भूपेंद्र प्रसाद शुक्ला नेत्र सहायक चिकित्सक, गुलाबचंद सदावर्ती ग्रामीण स्वास्थ्य चिकित्सक, सोनू सेक्टर सुपरवाइजर के द्वारा सभी शिवरार्थियों को स्वास्थ्य संबंधित प्राथमिक जानकारियां दी गई। शिवरार्थियों ने परियोजना कार्यक्रम द्वारा प्राप्त ग्रामीणों के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में भी डॉक्टर से वार्तालाप किया और अपने व्यक्तिगत समस्याओं से भी अवगत कराया। सभी ग्रुप के लीडर मंच का संचालन करते हुए ग्रुपवार चार-चार सदस्यों का अनुभव साझा किए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर

C M Y K